



वर्ष 2021-22  
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (SAND)  
जिला - विदिशा

AS PER NOTIFICATION No. S.O. 141(E)  
NEW DELHI, THE 15<sup>th</sup> JANUARY, 2016, OF  
MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND  
CLIMATE CHANGE. GOVT. OF INDIA



कार्यालय कलेक्टर, स्वनि-शाखा  
जिला-विदिशा  
(मध्यप्रदेश शासन स्वनिज साधन विभाग)

Prepared by :  
Sub Divisional Committee, Distt.-Vidisha

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-विदिशा मध्यप्रदेश

खनिज भवन, स्वामी विवेकानन्द चौराहा  
न्यू कलेक्ट्रेट काम्पोजिट भवन के पीछे विदिशा

E-mail :- [modgmvid@mp.gov.in](mailto:modgmvid@mp.gov.in)

क्रमांक 2392/खनिज/2022

विदिशा, दिनांक 21.09.2022

प्रति,

सदस्य सचिव,  
राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC)  
पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कॉलोनी,  
भोपाल- 422016 (म0प्र0)

विषय :- संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डी0एस0आर0) के संबंध में।

—000—

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि दिनांक 21.09.2022 को आयोजित बैठक में आपके द्वारा प्रदत्त निर्देशों के पालन में जिला- विदिशा की संशोधित खनिज रेत सर्वेक्षण रिपोर्ट में आवश्यक संशोधन, जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

- मानसून पूर्व एवं मानसून पश्चात खनिज रेत निक्षेप की मात्रा का विवरण।
- खनि रियायत क्षेत्र एवं खनिज रेत निक्षेप क्षेत्र के परिमाण की गणना के संबंध में टीप।

अग्रिम कार्यवाही हेतु पत्र के साथ संप्रेषित है।

संलग्न :- जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट

कुल - 01


21/9/22  
प्रभारी अधिकारी  
(खनिज शाखा)  
जिला विदिशा

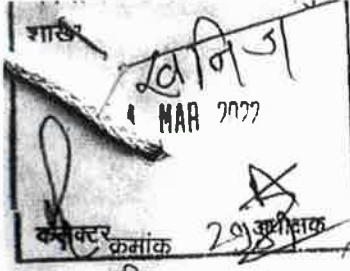
**जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिला विदिशा**  
**विषय सूची**

क्र.	विषय	पेज
1	प्रस्तावना	8-13
2	जिले में खनन कार्यकलापों का विहंगावलोकन	14
3	अवस्थिति क्षेत्र और वैधता की अवधि सहित जिले में खनन पट्टों की सूची	14-19
4	पिछले तीन वर्षों में प्राप्त स्वामित्व या राजस्व के ब्यौरे	20
5	पिछले तीन वर्षों के दौरान बालू या रेत के उत्पादन के ब्यौरे	20
6	जिले की नदियों में तलछट के जमा होने की प्रक्रिया	20-22
7	जिले का सामान्य प्रोफाइल	23-24
8	जिले में भू उपयोग का पेटर्न: वन, कृषि, उद्यान कृषि, खनन आदि	25
9	जिले की भू- आकृति	26
10	मासवार वर्षा	27
11	भूगर्भ और खनिज संपदा	28-30
12	जिले में रेत परिवहनों का चिन्हांकन	31-34
13	एनेक्सर	35-37

**मानचित्र :-**

1. लोकेशन मैप ऑफ विदिशा
2. बेसमैप आफ विदिशा
3. टोपोशीट मैप ऑफ विदिशा
4. सेटेलाईट मैप ऑफ विदिशा
5. एक्ससटिंग सेंड क्वेरी मैप ऑफ विदिशा
6. स्लोप मैप ऑफ विदिशा
7. लैंड यूज/लैंड कवर मैप ऑफ विदिशा
8. जियोमार्कोलाजिकल मैप ऑफ विदिशा
9. जियोलाजिकल मैप ऑफ विदिशा
10. रोड मैप ऑफ गंजबासौदा टू मण्डी बामौरा
11. रोड मैप ऑफ कुरवाई टू बीना
12. रोड मैप ऑफ नटेरन टू विदिशा
13. रोड मैप ऑफ जीरापुर (शमशाबाद) टू सिरोंज
14. रोड मैप ऑफ झागर टू सिरोंज
15. रोड मैप जिला विदिशा टू अनादर सराउंडिंग डिस्ट्रिक्ट

  
**State Level Environment Impact**  
**Assessment Authority, M.P.**  
**(EPCO)**  
**Paryavaran Parisar**  
**E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)**



कार्यालय  
संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म  
मध्यप्रदेश

29-ए, "खनिज भवन", अरेरा हिल्स, भोपाल  
फोन एवं फैक्स : 0755-2551795  
E-mail : dirgeomn@mp.nic.in

खनिज/विविध/न.क्र. /2022,

भोपाल, दिनांक 03/3/22

396

समस्त कलेक्टर  
(खनि शाखा)  
मध्यप्रदेश

विषय : सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मेनेजमेंट गाईडलाईन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिटरींग फार सेण्ड माइनिंग 2020 के अंतर्गत रेत खनिज हेतु जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार किये जाने के संबंध में।

प्रत्येक जिले में सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मेनेजमेंट गाईडलाईन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिटरींग फार सेण्ड माइनिंग 2020 गाईडलाईन के तहत जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) तैयार की जानी है। जिले की डीएसआर तैयार किये जाने की प्रक्रिया प्रचलन में है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील क्रमांक 3661-3662/2020 (बिहार राज्य एवं अन्य विरुद्ध पवन कुमार एवं अन्य) में पारित आदेश दिनांक 10.11.2021 के अनुसार एवं सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मेनेजमेंट गाईडलाईन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिटरींग फार सेण्ड माइनिंग 2020 के पालन में प्रारूप डीएसआर निम्न समिति द्वारा तैयार की जानी है :-

1. अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
2. जल संसाधन विभाग के अधिकारी
3. राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के नामांकित अधिकारी
4. वन विभाग के अधिकारी
5. जिले के खनि अधिकारी/संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म द्वारा पदस्थ अधिकारी

उपरोक्तानुसार तैयार प्रारूप डीएसआर को जिला कलेक्टर द्वारा सिएक (SEAC) को अर्पित की जायेगी। सिएक (SEAC) द्वारा इसे सिया (SEIAA) को प्रेषित किया जायेगा।

उपरोक्त निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाये।

2/3/22  
(राकेश कुमार श्रीवास्तव)  
भा.प्र.से.  
संचालक  
(प्रशासन एवं खनिकर्म)

2/3/22



# कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-विदिशा म0प्र0

खनिज भवन, स्वामी विवेकानन्द गौराहा न्यू कलेक्ट्रेट कामपोजिट भवन के पीछे विदिशा

E-mail - modgmvid@mp.gov.in

विदिशा, दिनांक 24/03/2022

:: आदेश ::

क्रमांक / 666 / न.कं.01/डीएसआर/खनिज/2022 संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म, भोपाल के पत्र क्रमांक 2981/खनिज/विविध/न.कं./2022 भोपाल, दिनांक 03.03.2022 द्वारा जिले में सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मैनेजमेंट गाईडलाईन 2016 एवं इनफोर्समेंट मॉनिटरिंग फॉर सेण्ड माइनिंग 2020 गाईडलाईन के तहत जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) तैयार की जानी है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील क्रमांक 3661-3662/2020 (बिहार राज्य एवं अन्य विरुद्ध पवन कुमार एवं अन्य) में पारित आदेश दिनांक 10.11.2021 के अनुसार सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मैनेजमेंट गाईडलाईन 2016 एवं इनफोर्समेंट मॉनिटरिंग फॉर सेण्ड माइनिंग 2020 के पालन में प्रारूप डीएसआर तैयार किये जाने हेतु निम्नानुसार समिति का गठन किया जाता है :-

क्र.	अधिकारी का नाम	पद
1	श्री गोपाल वर्मा	अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विदिशा
2	श्री मति प्रतिभा सिंह	कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग विदिशा
3	श्री सुबोध भार्गव	वैज्ञानिक प्रदूषण नियंत्रण मण्डल भोपाल
4	श्री राजीव श्रीवास्तव	उपवनमंडल अधिकारी विदिशा
5	श्री पंकज कुमार वानखड़े	खनि निरीक्षक विदिशा

उपरोक्त समिति को निर्देशित किया जाता है कि SEAC की 555 वीं बैठक दिनांक 24.02.2022 में लिये गये निर्णय अनुसार नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में अद्यतन स्वीकृत, संचालित एवं प्रस्तावित समस्त खदानों की पूर्ण जानकारी का अनिवार्यतः समावेश करते हुए अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष 07 दिवस के भीतर प्रारूप डीएसआर तैयार कर प्रस्तुत करें।

24/03/2022  
(उमाशंकर भार्गव)  
कलेक्टर

जिला विदिशा (म0प्र0)  
विदिशा दिनांक 24/03/2022

पू. क्रमांक / 667-73 / न.कं.01/डीएसआर/खनिज/2022  
प्रतिलिपि:-

1. प्रमुख सचिव, म0प्र0 शासन खनिज साधन विभाग, भोपाल
2. संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म, 29-ए, खनिज-भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल।
3. कार्यपालन संचालक, म.प्र. राज्य खनिज निगम लिमिटेड, द्वितीय तल, पर्यावास भवन, जेल रोड, अरेरा हिल्स, भोपाल।
4. सदस्य सचिव, राज्य स्तरीय पर्यावरण संघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) एवं राज्य स्तरीय विशेषक आंकलन समिति (SEAC) भोपाल।
5. सदस्य सचिव, म0प्र0 प्रदूषण बोर्ड, ई-5 पर्यावरण परिसर, अरेरा कॉलोनी, भोपाल की ओर सूचनार्थ।
6. क्षेत्रीय अधिकारी, म0प्र0 राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 पर्यावरण परिसर, अरेरा कॉलोनी, भोपाल की ओर सूचनार्थ।
7. सर्व संबंधित.....की ओर पालनार्थ।

24/03/2022  
(उमाशंकर भार्गव)  
कलेक्टर  
जिला विदिशा (म0प्र0)

State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EACO)  
Parvati Park  
P. O. Arera Colony, Bhopal (M.P.)






# कार्यालय कलेक्टर (खनि-शाखा), जिला-विदिशा मध्यप्रदेश


खनिज भवन, स्वामी विवेकानन्द चौराहा  
न्यू कलेक्ट्रेट काम्पोजिट भवन के पीछे विदिशा  
E-mail :- [modgmvid@mp.gov.in](mailto:modgmvid@mp.gov.in)

क्रमांक / 1754 / खनिज / 2022

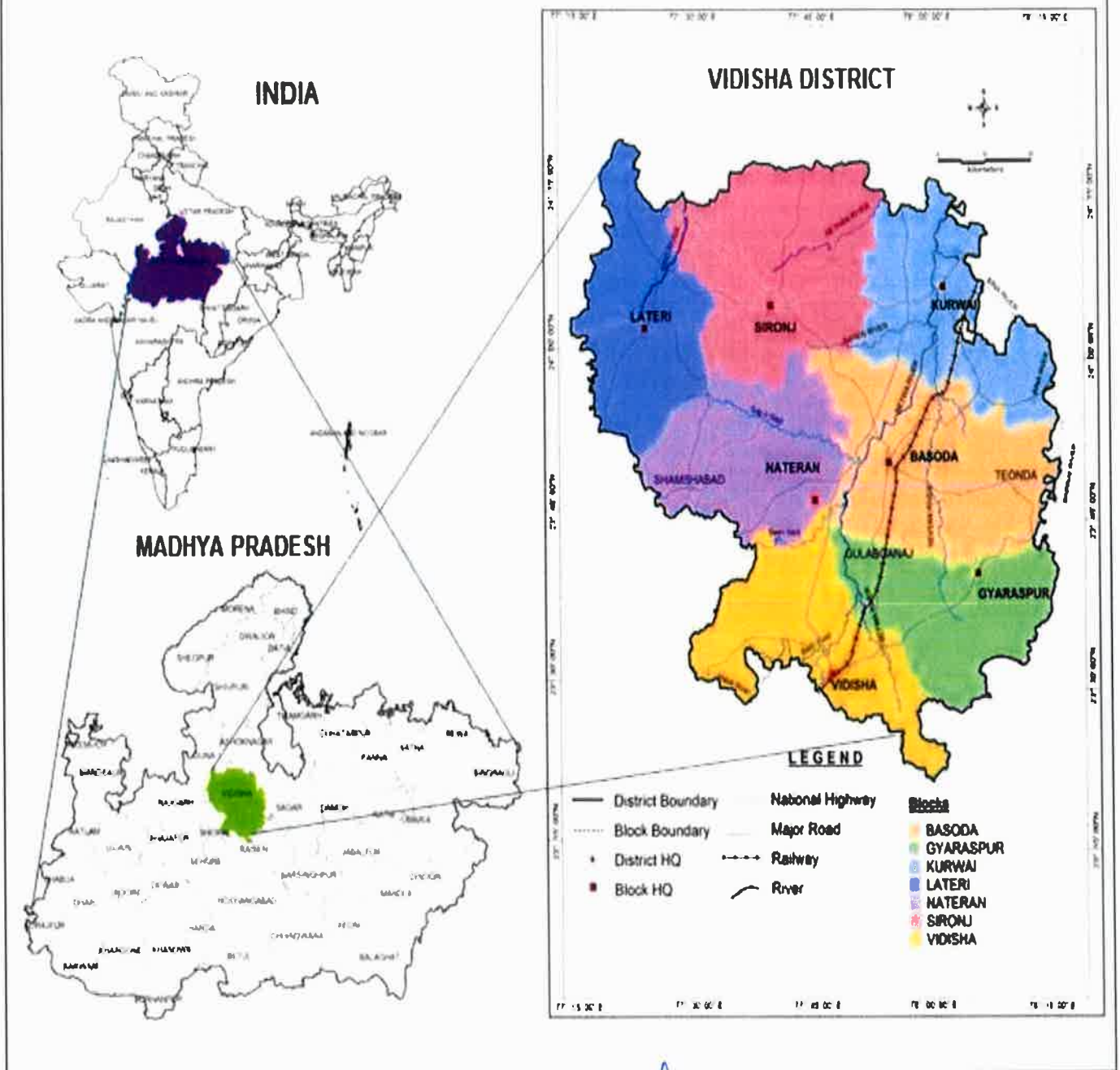
विदिशा, दिनांक 26 / 07 / 2022

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील क्रमांक 3661-3662 / 2020 (बिहार राज्य एवं अन्य विरुद्ध पवन कुमार एवं अन्य) में पारित आदेश दिनांक 10 / 11 / 2021 के अनुसार एवं सस्टेबल सेंड माईनिंग मैनेजमेन्ट गाईडलाईन्स 2016 एवं इंफोर्समेंट मॉनिटरिंग फार सेण्ड माईनिंग 2020 के पालन में संचालक, महोदय भौमिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश भोपाल के आदेश क्रमांक / 2981 / 2982-86 भोपाल दिनांक 03 / 03 / 2022 तथा कलेक्टर महोदय जिला विदिशा के आदेश क्रमांक 666 विदिशा दिनांक 24 / 03 / 2022 के पालन में प्रारूप जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (District Survey Report) निम्न समिति द्वारा तैयार कर अनुमोदित की गई :-

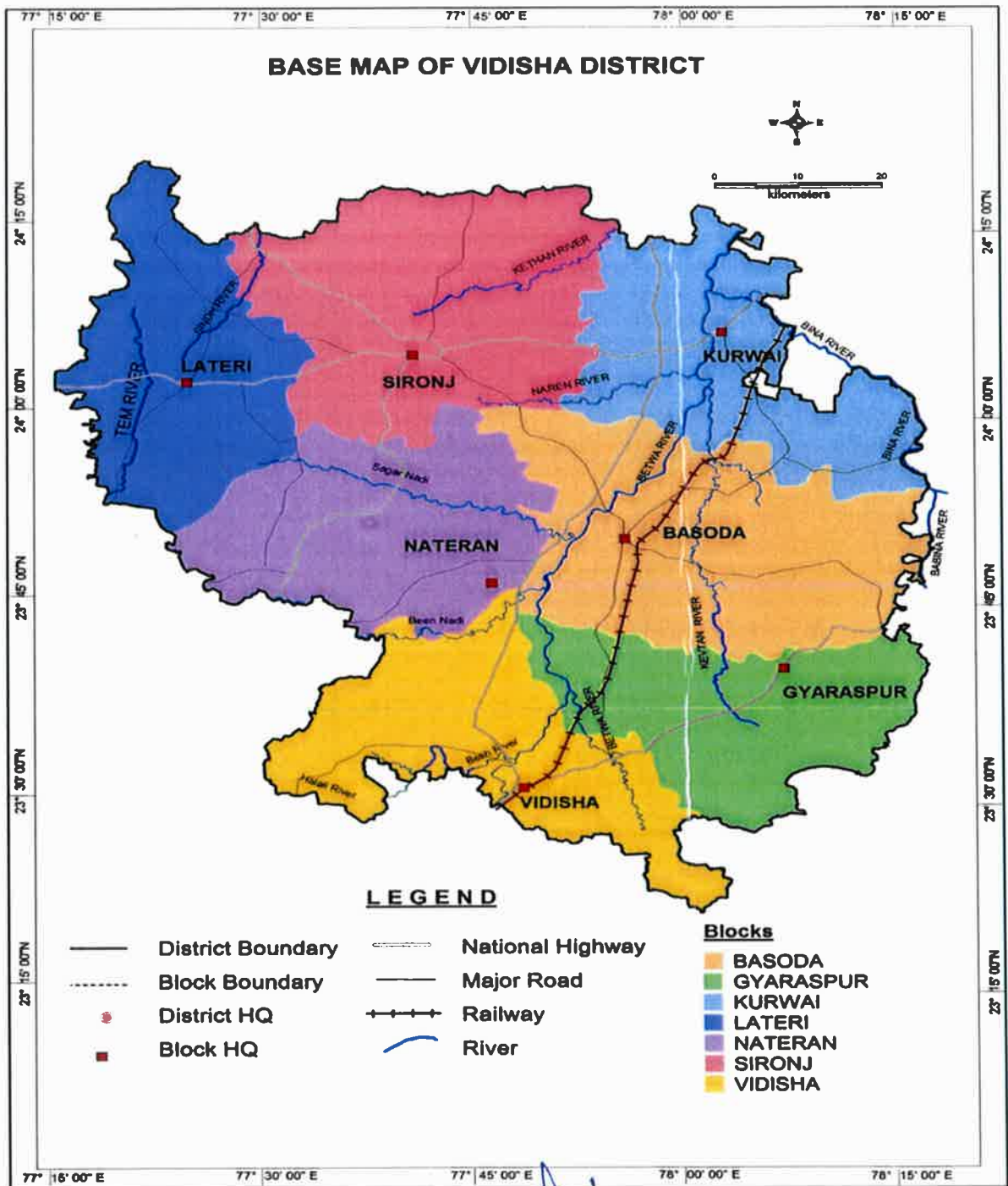
क्र.	अधिकारी का नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
1	श्री गोपाल वर्मा	अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विदिशा	
2	श्रीमति प्रतिभा सिंह	कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग विदिशा	
3	श्री सुबोध भार्गव	वैज्ञानिक प्रदूषण नियंत्रण मंडल भोपाल	
4	श्री राजीव श्रीवास्तव	उपवनमंडल अधिकारी विदिशा	
5	श्री पंकज कुमार वानखड़े	खनि निरीक्षक खनि शाखा विदिशा	

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryevan Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

# LOCATION MAP OF VIDISHA DISTRICT



*[Signature]*  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Parjavarani Park  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



## 1. प्रस्तावना

विदिशा, भारत के मध्य प्रदेश राज्य का एक जिला है। इस जिले का मुख्यालय विदिशा में है तथा विदिशा जिला मध्यप्रदेश के भोपाल संभाग के अंतर्गत आता है। यह मध्य प्रदेश के मध्य हिस्से में स्थित है। सन् 1952 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. श्री राजेन्द्र प्रसाद जी द्वारा इसका नाम विदिशा घोषित किया गया। विदिशा जिले का गठन राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत 1 नवंबर, 1956 किया गया था। विदिशा जिला प्रदेश के मध्य भाग में स्थित एक भू-आवेष्टित जिला है, अर्थात् विदिशा जिले की सीमा किसी अन्य राज्य से नहीं लगती है। विदिशा जिले के अंतर्गत 11 तहसीलें हैं, जिनमें विदिशा, बासौदा, नटेरन, शमशाबाद, लटेरी, सिंरोज, कुरवाई, पठारी, त्योंदा, ग्यारसपुर तथा गुलाबगंज शामिल है। विदिशा जिले का कुल क्षेत्रफल 7,371 वर्ग किलोमीटर है। विदिशा जिले की सीमा मध्यप्रदेश के अन्य 5 जिलों गुना, अशोकनगर, रायसेन, सागर और भोपाल जिले से लगती है। इस जिले के उत्तर में विदिशा जिला, पूर्व में सागर जिला, दक्षिण में रायसेन जिला, दक्षिण-पश्चिम में भोपाल जिला तथा उत्तर-पश्चिम में गुना जिला स्थित है। विदिशा जिले के अंतर्गत 5 विधानसभा क्षेत्र आते हैं, जिनमें विदिशा, कुरवाई, सिंरोज, शमशाबाद, बसौदा शामिल है।

जिला मुख्यालय विदिशा के नाम से जिले का नाम है। विदिशा के बारे में वाल्मीकी रामायण में उदाहरण मिलता है जो कि यह दर्शाता है कि शत्रुघ्न का बेटा शत्रुघाति विदिशा का प्रतिनिधि हुआ करता था। ब्राम्हपुराण में भी इस जगह का वर्णन मिलता है। जिससे इस जगह का नाम हुआ भद्रावती जो कि यवनों का रहने का स्थान था। यावनों जिन्होंने युधीष्ठिर को अश्वमेघ यज्ञ के लिये घोड़ा दिया था। प्राचीन एतिहासिक शहर बैसनगर विदिशा से सिर्फ ३ किलोमीटर दूर हैं। जो प्राचीन विदिशा के बारे में बताता है। ईसापूर्व बैसनगर एक बहुत ही महत्वपूर्ण जगह थी। जहाँ बुद्ध जैन एवं ब्रम्ह साहित्य जैसे बैसनगर, वैश्यनगर आदि। राजा रुकमान्दघाह जिसने अपनी पत्नी विश्वा का अप्सराओं के लिये त्याग कर दिया था उनके नाम पर शहर का नाम विश्वानगर हुआ। बैसनगर शहर के समाप्त होने पर पश्चिम कि

State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.


(EPCU)

Parvatan Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

तरफ बेतवा नदी के किनारे सातवीं शताब्दी में एक नये शहर का उदय हुआ। जिसका नाम भेलस्वामिन जो कि भिलसा या भेलसा का अपभ्रंश है।

सम्राट अशोक 18 साल की उम्र में उसके पिता बिन्दुसार द्वारा सम्राट अशोक को उज्जैन राज्य संभालने को दिया जिस समय वह पाटलीपुत्र लौट रहे थे उस समय वह विदिशा या बैसनगर के साहुकार की बेटी देवी से मिले जो शाक्य कुल की थी और उन्होंने उनके साथ विवाह किया। उनका बेटा महेंद्र और बेटी सगंमित्रा दोनों ही इतिहास में बहुत नामचीन थे। क्योंकि उनके पिता शिलॉन में धर्म के प्रतिनिधि थे। और दोनों बौद्ध पेड़ तथा भगवान बुद्ध के उपदेशों को देश भर में फैलाते रहे। देवी कभी पाटलीपुत्र नहीं गई। पूरे समय बैसनगर में ही रही तथा भगवान बुद्ध की अर्चना में ही लगी रही। मठ के समान भवन बनाकर वह संची से 8 किलोमीटर दूर विदिशा शहर में रही। जो कि देवी के रहने के लिये बनाया गया था। शिलॉन जाने से पहले देवी का बेटा महेन्द्र माँ से मिलने जब बैसनगर आया तब उसकी माँ उसे चैत्यगिरी लेकर गई। कालान्तर में मान्यता है। कि वे ही साँची के स्तूप हैं।

विदिशा पर सूंगा, कान्वा, नागा, वाकाटका, गुप्त, कलचुरी, महिष्मति, परमार, चालुक्य ने राज किया। इन सभी का विदिशा पर राज करने के प्रमाण प्राप्त हैं। जिनके मूर्तियां, सिक्के, शिलालेख आदि जिले में पुरातत्व विभाग कार्यालय में मौजूद हैं। सिंधिया ग्वालियर राज्य जो ईशानगर, परगना तहसील के अधीन रहा। 1904 में विदिशा एक जिला बना जिसमें दो तहसील विदिशा एवं बासौदा 1948 तक थी। जिले का विस्तार 1949 में कुर्वयी राज के मिलने के बाद सिरोंज जो कि पहले राजस्थान के कोटा जिले में था एवं पिकलॉन भोपाल राज्य में था इनको मिलाकर नये मध्यप्रदेश समाहित किया गया। उसी समय जिले और शहरों को मिलाकर विदिशा जिले को नाम रखा गया। मुगल सल्तन्त के दौरान औरंगजेब ने इस शहर का नाम आलम गिरी नगर रखने की कोशिश की लेकिन उसे सफलता प्राप्त नहीं हुई। वर्तमान में भी यह जिला बैसनगर, उदयपुर, ग्यारसपुर, उदयगिरी, बादौहा पठारी आदि के साथ अस्तित्व में है।

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPGO)  
Paryavaran Parkar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

विदिशा जिले में उदयगिरि की गुफाएँ हैं, यह कुल 20 गुप्तीकालीन गुफाएँ हैं। यह गुफा एक बड़ी खुली कर्टिंग है जो एक मीटर गहरी, 6.5 मीटर लंबी और लगभग 4 मीटर ऊंची है। यहाँ विष्णु को एक सूअर के सिर वाले व्यक्ति के रूप में दर्शाया गया है, जो नगा राजा की कुंडली पर अपना बायाँ हाथ रखता है, जिसके पास तेरह साँपों के सिर की छतरी है। उदयगिरि की नोकदार कट गुफाओं में .5 गुफा, विष्णु के तीसरे अवतार, वराह अवतार के एक समग्र प्रतिनिधित्व के लिए प्रसिद्ध है।

विदिशा जिले के गंजबसौदा में प्रसिद्ध नीलकण्ठेश्वर मंदिर स्थित है, जिसका निर्माण उदयादित्य द्वारा किया गया था। यह नीलकण्ठेश्वर मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। परमारा राजा उदयादित्य द्वारा निर्मित एक मंदिर। वह महान राजा भोज (1010-1050 ई।) का पुत्र था। मध्य भारत में, सटीक रूप से दिनांकित मंदिरों को देखना मुश्किल है। लेकिन उदयेश्वर मंदिर कुछ में से एक है, जिसकी सटीक तिथि है। मंदिर पर उत्कीर्ण दो शिलालेखों में 1059 से 1080 के बीच परमारा राजा उदयादित्य के दौरान मंदिर के निर्माण का रिकॉर्ड है।

विदिशा जिले के बेसनगर में हेलियोडोरस द्वारा निर्मित गरुड़ स्तंभ स्थित है। गरुड़ स्तंभ की खोज 1877 में अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा की गई थी, इस स्तंभ को खामबाबा के नाम से भी जाना जाता है। गरुड़ स्तंभ की ऊँचाई 20 फीट 7 इंच है। हेलियोडोरस ने इस स्तंभ का निर्माण भागवत धर्म से प्रभावित होकर किया था।

खंभा, गरुड़ध्वजा (भगवान के ध्वज के साथ प्रतीक), हुनी गवर्नर एंटीलिकिडस (180ख) का एक उपहार था, जो उनके दूत हेलियोडोरस के माध्यम से भेजा गया था। यह स्तंभ उन आठ ध्वजों में से एक था, जिनमें गरुड़ द्वार, ताल द्वार और मकर द्वार शामिल थे। धीमर (मछुआरे) समुदाय द्वारा टीएच स्तंभ के वर्धमान आईपी इतिहास के चार सौ वर्षों के इतिहास में रहस्यवादी परतों में स्तंभ को ढाल दिया गया है और हर नई चांदनी के सामने एक इमली के पेड़ के नीचे भूत भगाने लगता है। डायोन के पुत्र हेलियोडोरस ने भगवान वास्तुदेव के सम्मान में इस स्तंभ को बनवाया। वे इंडो-बैक्ट्रियन किंग एंटीलिकिटा के राजदूत थे।

विदिशा मिनी जगन्नाथपुरी के रूप में विख्यात विदिशा जिले का मानोरा गांव में आज भारी उत्साह है । 195 वर्ष बीत गए, अपने भक्त मानोरा के तरफदार मानिकचंद और उनकी पत्नी पद्मावती को दिया वचन निभाने हर साल आषाढ़ दूज को भगवान जगदीश छोटे से गांव में पधारते हैं। 25 जून को वहीं शुभ दिन है। लाखों लोग रथ में आरुढ़ भगवान जगदीश स्वामी, देवी सुभद्रा और बलभद्र के दर्शन करने दोड़े चले आ रहे हैं। मीलों दूर से श्रद्धालु एक दिन पहले से पिण्ड भरते हुए दंडवत करते हुये मिनी जगन्नाथपुरी कहलाने वाले मानोरा गांव में पहुंचने लगे हैं। श्री रामलीला मेला की स्थापना का कार्य सन 1901 में प्रारंभ हो गया था। श्री राम लीला का लीला कार्यक्रम, समय, लीला प्रांगण, अयोध्या लंका की स्थिति, लीला के संवादों की रचना, युद्ध प्रक्रिया, चरित्रों के अनुरूप वेशभूषा, दृश्यों का निर्माण, स्थान रचना तथा आवश्यक वस्तुओं आदि की रूपरेखा विदिशा के प्रथम धर्माधिकारी एवं संस्कृतज्ञ पंडित श्री विश्वनाथ जी शास्त्री जी के मार्गदर्शन में तैयार हुई एवं श्री रामलीला को मूर्त रूप सन 1902 में दिया गया । श्रीरामलीला के लिए मकर संक्रांति का समय उपयुक्त माना गया क्योंकि इस समय चरण तीर्थ मंदिर पर मेला भरता था, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु गण श्रीरामलीला का लाभ ले सके। यह समय खेतीहर किसानों के लिए भी अनुकूल था ।

विदिशा में जन्में श्री कैलाश सत्यार्थी को 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला। कैलाश सत्याहर्षी को “बचपन बचाओ आंदोलन” के लिए वर्ष 2014 में पाकिस्तान की मलाल यूसुफ जई के साथ संयुक्ता रूप से नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

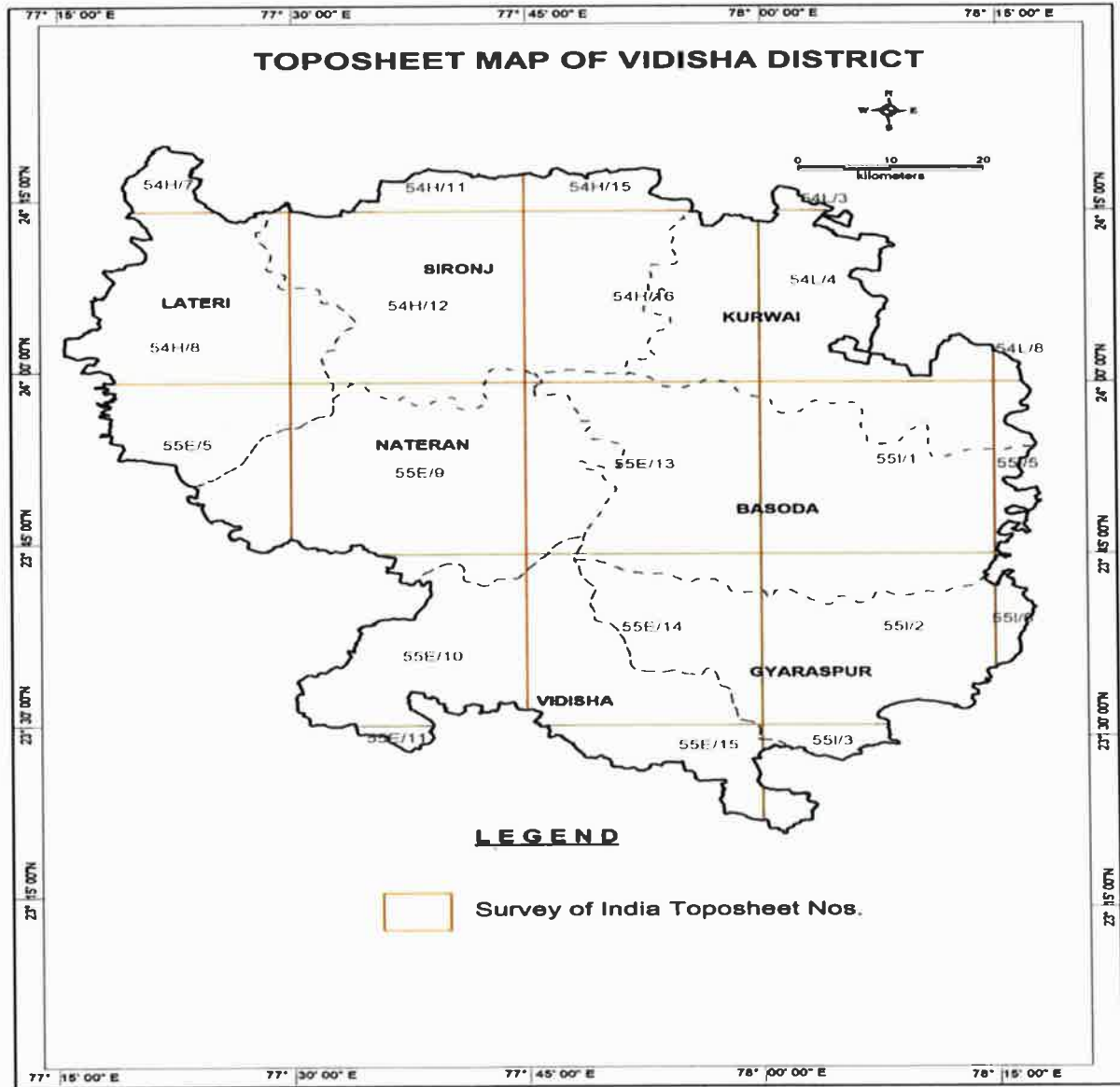
विदिशा जिले की सिरोंज तहसील से सिंध नदी का उद्गम हुआ है। विदिशा जिले से बेतवा, सगड़, बाह, कैथन, टेम, सिंध, बीना आदि नदियाँ प्रवाहित होती है। विदिशा जिले में हलाली नदी पर हलाली परियोजना व बाह नदी पर रहेटी सिंचाई परियोजना स्थित है। हलाली परियोजना को सम्राट अशोक सागर परियोजना के नाम से भी जाना जाता है। विदिशा जिले में संजय सागर बांध, सगड़ बांध, कैथन बांध, रहेटी बांध, बर्घरू बांध स्थित है।

  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Parisar  
 E-5, Azara Colony, Bhopal (M.P.)



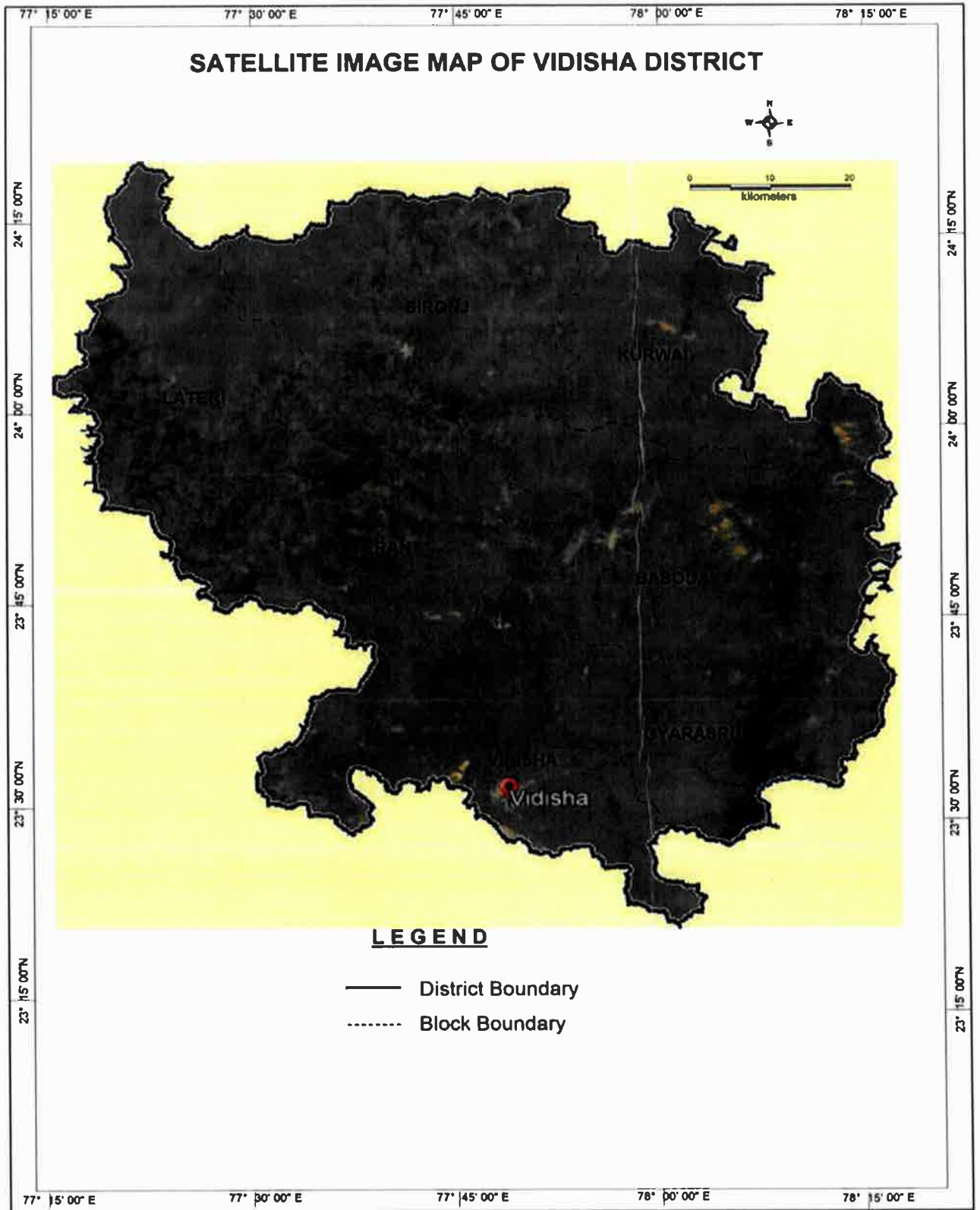
विदिशा जिले का ग्यारसपुर प्राचीन पुरातात्विक स्थल है। यहाँ पर अनेक प्राचीन मंदिर हैं। ग्यारसपुर में मालादेवी जैन मंदिर, बौद्ध स्तूप, मानसरोवर, अटखम्भाय, मानसरोवर ताल, हिंडोला तोरण, शालभंसिका मूर्ति, बाजरामठ मंदिर, वस्त्रामठ आदि हैं। विदिशा पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेय व पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज का संसदीय क्षेत्र रहा है। जिला विदिशा सर्वाधिक चना उत्पादक जिला है।

## जिला विदिशा- अध्ययन क्षेत्र



“जिला विदिशा भारतीय सर्वेक्षण विभाग की टोपो शीट संख्या 54 H/7, H/8, H/11, H/12, H/15, H/16, L/3, L/4 एवं L/8 तथा 55 E/5, E/9, E/10, E/11, E/13, E/14, E/15, I/1, I/2, I/3, I/5 एवं I/6 के अंतर्गत विद्यमान है, जिसकी समुद्र तल से औसत ऊँचाई 424 मीटर (1,391फीट) है। जिला विदिशा 23°15'00"N - 24°15'00"N व 77°15'00"E - 78°15'00"E, अक्षांतरे देशांतरो के मध्य स्थित है।”

# जिला विदिशा का उपग्रह चित्रण



“Satellite Images, अंतरिक्ष से मानव निर्मित उपग्रहो द्वारा बिना किसी Physical Object के उपयोग द्वारा पृथ्वी के वास्तविक चित्रण को दर्शाती हैं, उक्त उपग्रह चित्रण जिला विदिशा को दर्शा रहा है।”

*[Signature]*  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)

Paryavaran Parisar

## 2- जिले में खनन कार्यकलापों का विहंगावलोकन

जिला विदिशा में मुख्य खनिज की कोई खदान नहीं है। विदिशा जिला प्रमुख रूप से गौण खनिजों की उपलब्धता में काफी समृद्ध है जो मुख्य रूप से भवन निर्माण/ निर्माण सामग्री में उपयोगी है। यहां गौण खनिज के रूप में गिट्टी, फर्शीपत्थर, खण्डा/बोल्डर/पत्थर, मुरुम एवं रेत मिलता है। गिट्टी और रेत सीमेंट कंक्रीट के प्रमुख तत्व है। जिनका उपयोग मुख्य रूप से सड़कों के निर्माण और मरम्मत में किया जाता है। खण्डा/बोल्डर/पत्थर, मुरुम का उपयोग इमारतों, बाउंड्री वॉल, सोल्डर के रूप में, रिफिलिंग सामग्री आदि के रूप में किया जाता है। विंध्यन स्टोन भवन निर्माण में उपयोग होने वाले फर्शी पत्थर, खण्डा का तथा डेक्कन ट्रेप गिट्टी, मुरुम का स्रोत है। वर्तमान में विदिशा जिले में गौण खनिज गिट्टी, फर्शीपत्थर, मुरुम एवं रेत की कुल 123 खदाने स्वीकृत है, जिनका कुल क्षेत्रफल 239.852 हेक्टेयर है। विदिशा जिले में गौण खनिज गिट्टी 155.653 हेक्टेयर, मुरुम 5.000 हेक्टेयर, फर्शी पत्थर 41.073 हेक्टेयर और रेत की 16 खदाने जिनका 38.126 हेक्टेयर क्षेत्र स्वीकृत है।

## 3. अवस्थिति क्षेत्र और वैधता की अवधि सहित जिले में खनन पट्टों की सूची

क्र.	निविदाकार का नाम	तहसील	ग्राम	खसरा कमांक/रकवा	खदान की अवधि	रेत मात्रा	अक्षांतर/देशांतर
1.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	कुरवाई	सिरावली	17/2.000 हे.	30/05/2020 से 30/06/2023	6000 घ.मी.	A- 24.03'33.17"N 78°01'16.60"E B- 24.03'44.56"N 78°01'17.82"E C- 24.03'44.64"N 78°01'15.92"E D- 24.03'35.72"N 78°01'14.67"E E- 24.03'33.03"N 78°01'14.54"E
2.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	कुरवाई	लचायरा	3/1.000 हे.	30/05/2020 से 30/06/2023	10000 घ. मी.	A- 24°13'3.98"N 78°2'57.21"E B- 24°13'4.88"N 78°2'56.54"E C- 24°13'6.44"N 78°3'0.16"E D- 24°13'5.07"N 78°3'0.58"E
3.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	कुरवाई	विशनपुर	1, 29, 220/ 5.000 हे.	30/05/2020 से 30/06/2023	3000 घ.मी.	A- 24°2'45.49"N 77°56'29.36"E B- 24°2'46.79"N 77°56'29.73"E C- 24°2'40.38"N 77°57'14.24"E D- 24°2'38.92"N 77°57'15.20"E E- 24°2'32.64"N 77°57'33.71"E F- 24°2'31.26"N 77°57'33.18"E G- 24°2'46.49"N 77°57'43.67"E H- 24°2'47.34"N 77°57'41.51"E
4.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	कुरवाई	दुनातर	1/1.000 हे.	30/05/2020 से 30/06/2023	5000 घ.मी.	A- 24°10'12.41"N 78°02'03.37"E B- 24°10'10.53"N 78°02'05.42"E C- 24°10'08.57"N 78°02'03.43"E D- 24°10'08.14"N 78°02'00.26"E E- 24°10'09.69"N 78°02'00.73"E F- 24°10'10.73"N 78°02'01.32"E G- 24°10'11.63"N 78°02'02.28"E
5.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	कुरवाई	देवली	1,14,15,159/ 1.000 हे.	30/05/2020 से 30/06/2023	4000 घ.मी.	A- 24°00'25.26"N 78°00'29.42"E B- 24°00'25.40"N 78°00'28.35"E C- 24°00'05.95"N 78°00'24.90"E D- 24°00'05.95"N 78°00'26.06"E
6.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	कुरवाई	लेटनी	563/ 1.200 हे.	30/05/2020 से 30/06/2023	4000 घ.मी.	A- 24°01'47.42"N 78°01'46.19"E B- 24°01'47.28"N 78°01'47.31"E C- 24°01'31.91"N 78°01'45.12"E D- 24°01'32.05"N 78°01'44.07"E

State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)

7.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	कुरवाई	बोधीघाट	82 / 1.000 हे.	30 / 05 / 2020 से 30 / 06 / 2023	5000 घ.मी.	A- 24°13'15.55"N 78°03'32.99"E B- 24°13'14.71"N 78°03'33.69"E C- 24°13'07.80"N 78°03'23.61"E D- 24°13'08.61"N 78°03'23.33"E
8.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	शमशाबाद	जीरापुर	241. 299 / 5 000 हे.	30 / 05 / 2020 से 30 / 06 / 2023	3000 घ.मी.	A- 23°53'53.48"N 77°41'41.98"E B- 23°53'40.89"N 77°40'57.54"E C- 23°53'16.74"N 77°40'31.36"E D- 23°53'42.17"N 77°39'27.89"E E- 23°53'43.66"N 77°39'28.69"E F- 23°53'32.46"N 77°39'57.46"E G- 23°53'17.91"N 77°40'20.57"E H- 23°53'46.03"N 77°40'57.95"E I- 23°53'54.18"N 77°41'41.32"E
9.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	बासौदा	खरतरी	223 / 5.000 हे.	30 / 05 / 2020 से 30 / 06 / 2023	5000 घ.मी.	A- 23°53'55.74"N 77°56'31.15"E B- 23°53'58.92"N 77°56'44.80"E C- 23°53'55.93"N 77°56'45.53"E D- 23°53'53.25"N 77°56'31.30"E
10.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	बासौदा	गोहची	295 / 1.000 हे.	30 / 05 / 2020 से 30 / 06 / 2023	4000 घ.मी.	A- 23°59'21.94"N 78°00'14.94"E B- 23°59'21.83"N 78°00'16.38"E C- 23°59'14.07"N 78°00'16.02"E D- 23°59'14.16"N 78°00'14.60"E
11.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	सिरोंज	झागर	276 / 2.000 हे.	30 / 05 / 2020 से 30 / 06 / 2023	6000 घ.मी.	A- 24°12'29.33"N 77°52'39.70"E B- 24°12'29.71"N 77°52'47.16"E C- 24°12'33.07"N 77°52'53.07"E D- 24°12'37.80"N 77°52'55.25"E E- 24°12'42.50"N 77°52'52.89"E F- 24°12'46.19"N 77°52'51.80"E G- 24°12'46.56"N 77°52'52.61"E H- 24°12'42.59"N 77°52'53.48"E I- 24°12'36.86"N 77°52'56.07"E J- 24°12'31.61"N 77°52'52.69"E K- 24°12'28.23"N 77°52'44.33"E L- 24°12'28.57"N 77°52'39.65"E
12.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	सिरोंज	ढिमरोली	163 / 2.000 हे.	30 / 05 / 2020 से 30 / 06 / 2023	6000 घ.मी.	A- 24°12'16.47"N 77°51'36.31"E B- 24°12'16.58"N 77°51'36.68"E C- 24°12'03.87"N 77°51'41.18"E D- 24°12'03.80"N 77°51'39.47"E E- 24°11'59.63"N 77°51'33.68"E F- 24°11'58.85"N 77°51'34.04"E
13.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	नटेरन	आमखेडा सूखा	114 / 5.000 हे.	30 / 05 / 2020 से 30 / 06 / 2023	3000 घ.मी.	A- 23°53'28.19"N 77°42'08.30"E B- 23°53'29.25"N 77°42'03.65"E C- 23°53'30.65"N 77°41'59.84"E D- 23°53'33.01"N 77°41'55.78"E E- 23°53'34.10"N 77°41'56.57"E F- 23°53'32.01"N 77°42'00.11"E G- 23°53'30.65"N 77°42'03.78"E H- 23°53'29.28"N 77°42'08.68"E
14.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	नटेरन	जोहद	1 / 1.045 हे.	30 / 05 / 2020 से 30 / 06 / 2023	14810 घ. मी.	A- 23°51'9.48"N 77°50'39.75"E B- 23°51'6.05"N 77°50'54.08"E C- 23°51'5.33"N 77°50'53.35"E D- 23°51'8.95"N 77°50'39.75"E
15.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	लटेरी	दनवास	24 / 2.000 हे.	30 / 05 / 2020 से 30 / 06 / 2023	10000 घ. मी.	A- 23°56'32.713 N 77°30'33.443 E B- 23°56'32.539 N 77°30'35.004 E C- 23°56'31.197 N 77°30'36.000 E D- 23°56'29.844 N 77°30'36.979 E E- 23°56'28.571 N 77°30'37.864 E F- 23°56'28.455 N 77°30'39.627 E G- 23°56'28.452 N 77°30'41.394 E H- 23°56'28.720 N 77°30'43.137 E I- 23°56'28.871 N 77°30'44.897 E J- 23°56'28.652 N 77°30'46.648 E K- 23°56'28.567 N 77°30'48.413 E L- 23°56'28.483 N 77°30'50.179 E M- 23°56'28.505 N 77°30'50.896 E N- 23°56'29.635 N 77°30'52.166 E O- 23°56'29.944 N 77°30'52.506 E P- 23°56'30.407 N 77°30'50.885 E Q- 23°56'29.510 N 77°30'49.411 E R- 23°56'29.472 N 77°30'49.350 E S- 23°56'29.920 N 77°30'47.651 E T- 23°56'30.097 N 77°30'46.948 E U- 23°56'29.912 N 77°30'45.192 E V- 23°56'29.753 N 77°30'43.433 E W- 23°56'29.749 N 77°30'41.665 E X- 23°56'29.846 N 77°30'39.901 E Y- 23°56'29.930 N 77°30'38.644 E Z- 23°56'31.255 N 77°30'37.621 E AA- 23°56'32.602 N 77°30'36.633 E AB- 23°56'33.906 N 77°30'35.659 E AC- 23°56'34.006 N 77°30'33.895 E AD- 23°56'34.008 N 77°30'33.099 E AE- 23°56'33.738 N 77°30'32.697 E
16.	श्री विवेक पटेल निवासी- पटेल वार्ड बाखर, कंदेली जिला- नरसिंहपुर	लटेरी	वैरागढ	273 / 2.000 हे.	30 / 05 / 2020 से 30 / 06 / 2023	20812 घ. मी.	A- 23°55'4.90"N 77°20'30.78"E B- 23°55'4.39"N 77°20'32.18"E C- 23°55'1.11"N 77°20'27.04"E D- 23°55'3.82"N 77°20'22.63"E E- 23°55'4.68"N 77°20'21.88"E F- 23°55'3.14"N 77°20'28.45"E

State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Parvavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)





# वि. मध्यप्रदेश स्टेट माइजिंग कन्सोर्शियम लि.

( मध्यप्रदेश शासन का उपक्रम )

फोन : 2763391, 2763392, 2763393  
फैक्स : 0765-2763394  
E-mail : info.mpsmc@mp.gov.in  
Website : www.mpsmcl.mp.gov.in  
CIN : L1410MP1962SGC000937

पंजीकृत कार्यालय :  
पर्यावास भवन, ब्लॉक नं. 1 (ए)  
द्वितीय तल, जेल रोड,  
अरेरा हिल्स, गोपाल- 462011

प्रस्प-तीन

देखिए नियम 11(3) एवं 11(5)

आशय पत्र

क्रमांक/रित/2020/ .....

भोपाल, दिनांक -

प्रति,

श्री विवेक पटेल,  
पटेल वार्ड बाखर, कंदेली,  
जिला नरसिंहपुर (म0प्र0) -487001

विषय :- ई-निविदा क्रमांक 277 दिनांक 05.10.2019 के संदर्भ में ग्राम (सूची अनुसार) तहसील (सूची अनुसार) जिला विदिशा रकबा (सूची अनुसार) हेक्टेयर क्षेत्र की खदान समूह क्रमांक (संपूर्ण विदिशा जिला) रेत खदानों हेतु आशय पत्र।

.....

1. पृष्ठभूमि :

1.1 मध्यप्रदेश रेत (खनन, परिवहन, भण्डारण एवं ध्यापार) नियम, 2019 के अनुसरण में मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम लिमिटेड, भोपाल द्वारा मध्यप्रदेश राज्य के जिला विदिशा स्थित समूह खदान के समूह क्रमांक (संपूर्ण विदिशा जिला) हेतु रेत की समूह खदानों के प्रदान के लिए निविदा प्रक्रिया को प्रारंभ करने के लिए ई-निविदा सूचना दिनांक 05.10.2019 जारी की गई। ई-निविदा प्रक्रिया उक्त नियमों के नियम 8 के अनुसार उक्त रेत समूह आबंटन हेतु संचालित की जाकर श्री/मेसर्स विवेक पटेल को उक्त नियमों के नियम 8(8) के अधीन उच्चतम सफल निविदाकार के रूप में घोषित किया गया है।

1.2 उक्त नियमों के नियम 11 के अधीन तथा उक्त समूह खदान के लिये निविदा दस्तावेज के अधीन अपेक्षित किए गए अनुसार श्री/मेसर्स विवेक पटेल ने प्ररक्षित मूल्य के 25% राशि रकम रूपए 15,82,500/- (शब्दों में रूपए पन्द्रह लाख बासठ हजार पांच सौ मात्र) अग्रिम धन (ईएमडी) के रूप में के माध्यम से (भुगतान का तरीका) जो दिनांक 26.11.2019 (भुगतान की तारीख) जमा कर दी है तथा जो दिनांक 26.11.2019 (भुगतान प्राप्त करने की तारीख) को प्राप्त हुई है।

परिणामस्वरूप आशय पत्र जारी किया जाना :

उक्त नियमों के नियम 11(3) एवं 11(5) के अनुसरण में समूह क्रमांक (संपूर्ण विदिशा जिला) श्री/मेसर्स विवेक पटेल के पक्ष में 03 वर्षों की अवधि हेतु रेत खनिज की खदानों के समूह के लिए ग्राम (सूची अनुसार) जिला विदिशा में रकबा (सूची अनुसार) (हेक्टेयर) क्षेत्र के लिए यह आशय पत्र जारी किया जाता है।

3.

शर्तें :  
3.1 यह आशय पत्र तथा इसके पूर्वोक्त खदान समूह का अनुवर्ती आबंटन इन नियमों के समय-समय पर यथा संशोधित उपबंधों के अध्याधीन होगा तथा श्री/मेसर्स विवेक पटेल को "उच्चतम सफल निविदाकार" के रूप में घोषित किया जाता है तथा इन नियमों के अधीन समस्त अपेक्षाओं की संतोषजनक पूर्ति पर पश्चातवर्ती रूप से आबंटित खदान समूहों का आबंटन किया जाएगा।

State Level Environmental  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

ई-निविदा में सम्मिलित खदानों एवं राशि का विवरण

जिला- विदिशा

क्र०	जिला	तहसील	ग्राम	खासरा क्रमांक	रकबा (हे.)
1	2	3	4	5	6
01	विदिशा	कुरवाई	सिरावली	17	2.000
02	विदिशा	कुरवाई	लघायरा	3	1.000
03	विदिशा	कुरवाई	विशनपुर	129, 239	5.000
04	विदिशा	कुरवाई	दुनातर	1	1.000
05	विदिशा	शमशाबाद	जीरापुर	241, 299	5.000
06	विदिशा	बासौदा	खरतरी	223	5.000
07	विदिशा	सिरोंज	झागर	276	2.000
08	विदिशा	सिरोंज	ढिमरोली	163	2.000
09	विदिशा	नटेरन	आमखेडा सूखा	114	5.000
10	विदिशा	लटेरी	दनवास	24	2.000
11	विदिशा	कुरवाई	देवली	159	1.881
12	विदिशा	बासौदा	गोहर्ची	295	1.000
13	विदिशा	कुरवाई	लेटनी	563	1.200
14	विदिशा	सिरोंज	वैरागढ	273	2.000
15	विदिशा	नटेरन	जोहद	1	1.045
16	विदिशा	कुरवाई	बोथीघाट	82	1.000
			योग-		38.125

नोट - बिन्दु क्र. 01, 02, 03, 05, 08 एवं 10 की रेत खदाने दिनांक 31.03.2021 के पश्चात उपलब्ध होगी। यह भी लेख है कि समूह में शामिल पूर्व ठेके पर संचालित अन्य खदानें ठेके की वैध अवधि तक संचालित रह सकेंगी।

1	कुल चिन्हित खदाने -	16
2	कुल अनुमानित क्षेत्रफल -	38.125 हे०
3	निविदा हेतु निर्धारित खदाने -	संपूर्ण विदिशा जिला
4	जिला समूह हेतु बिली योग्य निर्धारित मात्रा (वार्षिक) घनमीटर -	50000 (पचास हजार घनमीटर)
5	निविदाकार श्री/मैसर्स दिनेश पटेल	
6	Address- Bakhr Patel Ward Kanchell Narsinghpur, Narsinghpur Madhya Pradesh- 487001	
7	स्वीकृत ऑफर मूल्य रुपये -	33636336 (तीन करोड़ छत्तीस लाख छत्तीस हजार तीन सौ छत्तीस रुपये)
8	प्राप्त दर के अनुसार प्रति घनमीटर देय राशि (रायल्टी राहित) --	672.73 (छः सौ बहत्तर रुपये तिहत्तर पैसे प्रति घनमीटर)
9	जमा EMD राशि रुपये -	1562500 पन्द्रह लाख पचास हजार पांच सौ रुपये

State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.

(EPCO)

Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

10	शेष जमा राशि रूपये (18818168 - 1582800) (ऑफर मूल्य का 50% - निविदा की ईएमडी राशि)	15255668 एक करोड़ बावन लाख पचपन हजार छः सौ अड़सठ रूपये
11	विन्दु क्रमांक 10 की राशि जमा दिनांक एवं भुगतान विवरण -	22.01.2020 RTGS

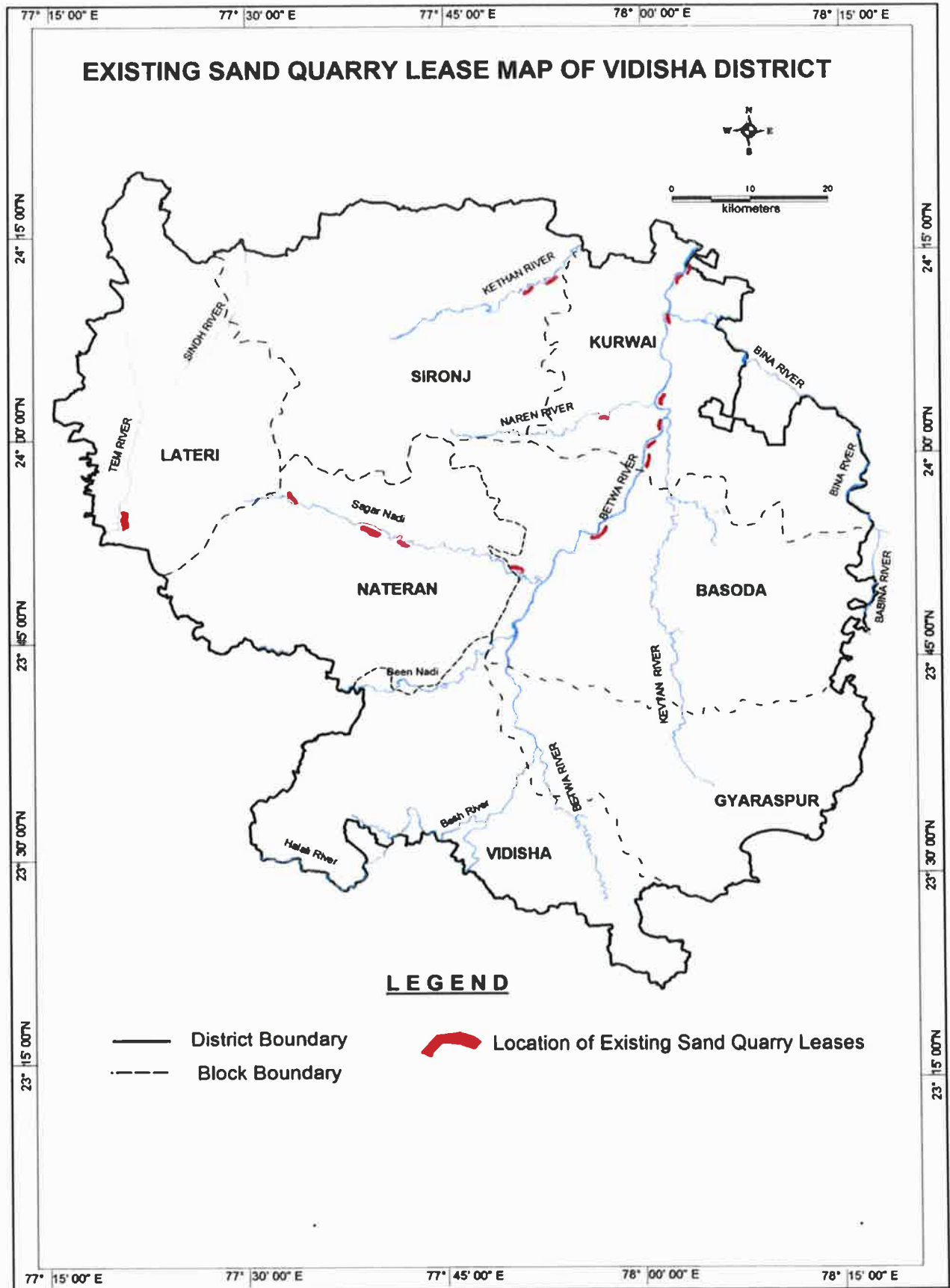
नोट :-2. निविदा प्रपत्र की कंडिका- 9 (ख) -निगम द्वारा परिशिष्ट-1 में समूह में सम्मिलित समस्त रेत खदानों का विवरण एवं खदान में उपलब्ध अनुमानित मात्रा दर्शित है। ठेकेदार द्वारा समूह हेतु निविदत्त मात्रा तक ही खनन किया जा सकेगा। यह अनिवार्य नहीं होगा कि वह समूह में सम्मिलित प्रत्येक खदान की परिशिष्ट-1 में दर्शित मात्रा हेतु वैधानिक अनुमतियों प्राप्त कर खदाने संचालित करे। अर्थात् निविदत्त मात्रा का खनन समूह में सम्मिलित कतिपय खदानों से, वैधानिक अनुमतियों के अधीन भी किया जा सकेगा।

  
कार्यपालक संचालक



State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arora Colony, Bhopal (M.P.)

# जिले में स्थित नदी व रेत खदानों की जानकारी





#### 4. पिछले तीन वर्षों में प्राप्त स्वामित्व या राजस्व के ब्यौरे

स.क्र.	वित्तीय वर्ष	खनिज	प्राप्त राजस्व (रूपयो में)
1	2018-19	रेत	1,24,44,150
2	2019-20	रेत	1,24,00,344
3	2020-21	रेत	2,02,98,267

#### 5. पिछले तीन वर्षों के दौरान बालू या रेत के उत्पादन के ब्यौरे

स.क्र.	वित्तीय वर्ष	उत्पादन (घ.मी.)
1	2018-19	41,480
2	2019-20	35,836
3	2020-21	38,683

#### 6. जिले की नदियों में तलछट के जमा होने की प्रक्रिया

नदी की गति धीमी होने पर नदियों में गाद जमा हो जाती है। कंकड़ और रेत जैसे बड़े, उभयलिंगी कण पहले जमा किए जाते हैं, जबकि हल्का सिल्ट और मिट्टी केवल तभी जमा होती है, जब पानी लगभग स्थिर हो। जब कोई नदी किसी के या समुद्र में पहुँचती है, तो वह अपनी तलछट का अधिकांश भाग शीघ्रता से जमा कर देती है। यह नदी चैनल को चोक कर सकती है, जो तब वितरिकाओं में विभाजित हो जाता है, जिसके बीच वैम्प बनते हैं। नदी के बाहरी छोर पर पानी का प्रवाह सबसे मजबूत होता है, जिससे तट का क्षरण होता है, लेकिन मोड़ के अंदर सबसे धीमा होता है, जिससे रेत और बजरी का जमाव होता है। एक जलोढ़ चैनल की ढीली सीमा (चल सामग्री से मिलकर) बहने की क्रिया के तहत विकृत हो जाती है, पानी और विकृत बिस्तर इसकी बदलती खुरदरापन (बिस्तर रूपों) के साथ प्रवाह के साथ बातचीत करता है। एक स्थिर और एकसमान प्रवाह विकसित होने पर सीमा की एक गतिशील संतुलन स्थिति की उम्मीद की जा सकती है। प्रवाह की दिशा में बिस्तर सामग्री (तलछट) की परिणामी गति को तलछट परिवहन कहा जाता है। भार के परिवहन के लिए नदी में ऊर्जा की आवश्यकता होती है, इसलिए जब नदी ऊर्जा खो देती है तो उसे अपना भार जमा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। नदी की ऊर्जा खोने के कई कारण हो सकते हैं। यदि नदी का बहाव कम हो


जाता है तो नदी ऊर्जा खो देगी, क्योंकि यह अब उतनी तेजी से नहीं बह रही है। यह वर्षा की कमी या वाष्पीकरण में वृद्धि के कारण हो सकता है। किसी नदी का बढ़ा हुआ मानव उपयोग (अमूर्त) भी इसके निर्वहन को कम कर सकता है और इसके भार को जमा कर सकता है। जब एक नदी समुद्र से मिलती है तो एक नदी अपना भार जमा कर देगी क्योंकि आमतौर पर ढाल समुद्र के स्तर पर कम हो जाती है और समुद्र बहुत सारी ऊर्जा को अवशोषित कर लेगा।

एक हिस्टोग्राम वक्र एक विशेष प्रकार का ग्राफ है, जो दर्शाता है कि नदी का वेग उसकी क्षमता को कैसे प्रभावित करता है और विभिन्न आकारों के कणों को नष्ट करने की उसकी क्षमता हिस्टोग्राम वक्र पर दो वक्र हैं, एक महत्वपूर्ण क्षरण वेग वक्र और एक औसत बसने वाला वेग वक्र। क्रान्तिक अपरदन वक्र किसी कण को ले जाने और नष्ट करने के लिए आवश्यक न्यूनतम वेग दर्शाता है। मध्य जमाव का वेग न्यूनतम गति को दर्शाता है कि विभिन्न आकार के कण नदी द्वारा जमा किए जाएंगे। वक्रों के बीच छायांकित क्षेत्र अलग-अलग प्रक्रिया दिखाते हैं जो उन छायांकित क्षेत्रों में स्थित कणों के लिए होगी।

महीन कण (कम गिरावट वेग के साथ) द्रव अशांति से निलंबन में फंस जाते हैं और निलंबन में चैनल के साथ ले जाया जाता है। परिवहन के इस तरीके को 'निलंबित भार' कहा जाता है। कभी-कभी अपलैंड कैचमेंट (आकार जो बेड सामग्री में मौजूद नहीं होते हैं) से महीन कण, जिन्हें 'वॉश लोड' कहा जाता है, को भी सस्पेंशन में ले जाया जाता है। संयुक्त विस्तार सामग्री और वॉश लोड 'कुल भार' कहलाता है।


तराई नदियों में कुल भार के कुछ प्रतिशत से लेकर पर्वतीय नदियों में 15% तक और कुछ शुष्क जलग्रहण क्षेत्रों में 60% से अधिक बेड लोड होता है। हालांकि कुल तलछट भार का एक अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा, तलछट रेत और बजरी चैनलों का गठन करती है। तलछट परिवहन की दर आम तौर पर प्रवाह के एक शक्ति कार्य के रूप में बढ़ जाती है, यानी प्रवाह का दोगुना होना आमतौर पर तलछट परिवहन तलछट में दोगुने से अधिक का उत्पादन करता है और अधिकांश परिवहन बाढ़ के दौरान होता है। इन-स्ट्रीम खनन से पर्यावरणीय प्रभावों से बचा जा सकता है, यदि वार्षिक

बेड लोड की गणना की जाती है और कुल निष्कर्षण उस मूल्य या उसके कुछ हिस्से तक सीमित है। बेड लोड के कुछ हिस्से तक निष्कर्षण को सटीक रूप से सीमित करने के लिए, एक निश्चित अवधि के दौरान इन-स्ट्रीम खनन स्थल से गुजरने वाली तलछट की मात्रा की गणना की जानी चाहिए। बेड लोड परिवहन की वार्षिक दरों की गणना की प्रक्रिया में बड़ी मात्रा में अनिश्चितता है। कितना मोटा पदार्थ ले जाया जाता है, कितनी देर तक गति में रहता है और कितनी दूर तक चलता है यह सामग्री के आकार, आकार और पैकिंग और नदी के प्रवाह की विशेषताओं पर निर्भर करता है। डाउनस्ट्रीम आंदोलन आमतौर पर छोटी दूरी की गति के अनियमित फटने के रूप में होता है, जो लंबी अवधि से अलग होते हैं, जब कण आराम पर रहते हैं। चूंकि बेड लोड घंटे-दर-घंटे, दिन-प्रतिदिन और साल-दर-साल बदलता रहता है, इसलिए वार्षिक बेड लोड दरों का अनुमान लगाना एक गतिशील प्रक्रिया है जिसमें सावधानीपूर्वक जांच शामिल है। नदी के प्रवाह में लगातार बदलाव चैनल के फर्श और नदी के किनारों को एक गतिशील इंटरफेस बनाते हैं, जहां कुछ सामग्री का क्षरण हो रहा है जबकि अन्य जमा हो रहे हैं। अल्पावधि के आधार पर इस गतिविधि के शुद्ध संतुलन को स्काउर या फिल के रूप में संदर्भित किया जाता है। दीर्घकालिक आधार पर, निरंतर परिमार्जन के परिणाम क्षरण (गिरावट) में होते हैं, जबकि निरंतर भरण परिणाम जमाव में होते हैं। एक धारा की स्थिरता का एक सामान्य संकेतक मौजूद वनस्पति की मात्रा से संबंधित है। बजरी की छड़ें जो वनस्पतियुक्त होती हैं या जहां बजरी को कसकर पैक किया जाता है, आमतौर पर धाराओं को इंगित करता है, जहां बजरी की आपूर्ति संतुलन में है। अत्यधिक बजरी वाली धाराओं में आमतौर पर बजरी की छड़ें होती हैं, जिनमें बहुत कम या कोई वनस्पति नहीं होती है, और ढीले-ढाले बजरी के साथ सामने आती हैं।

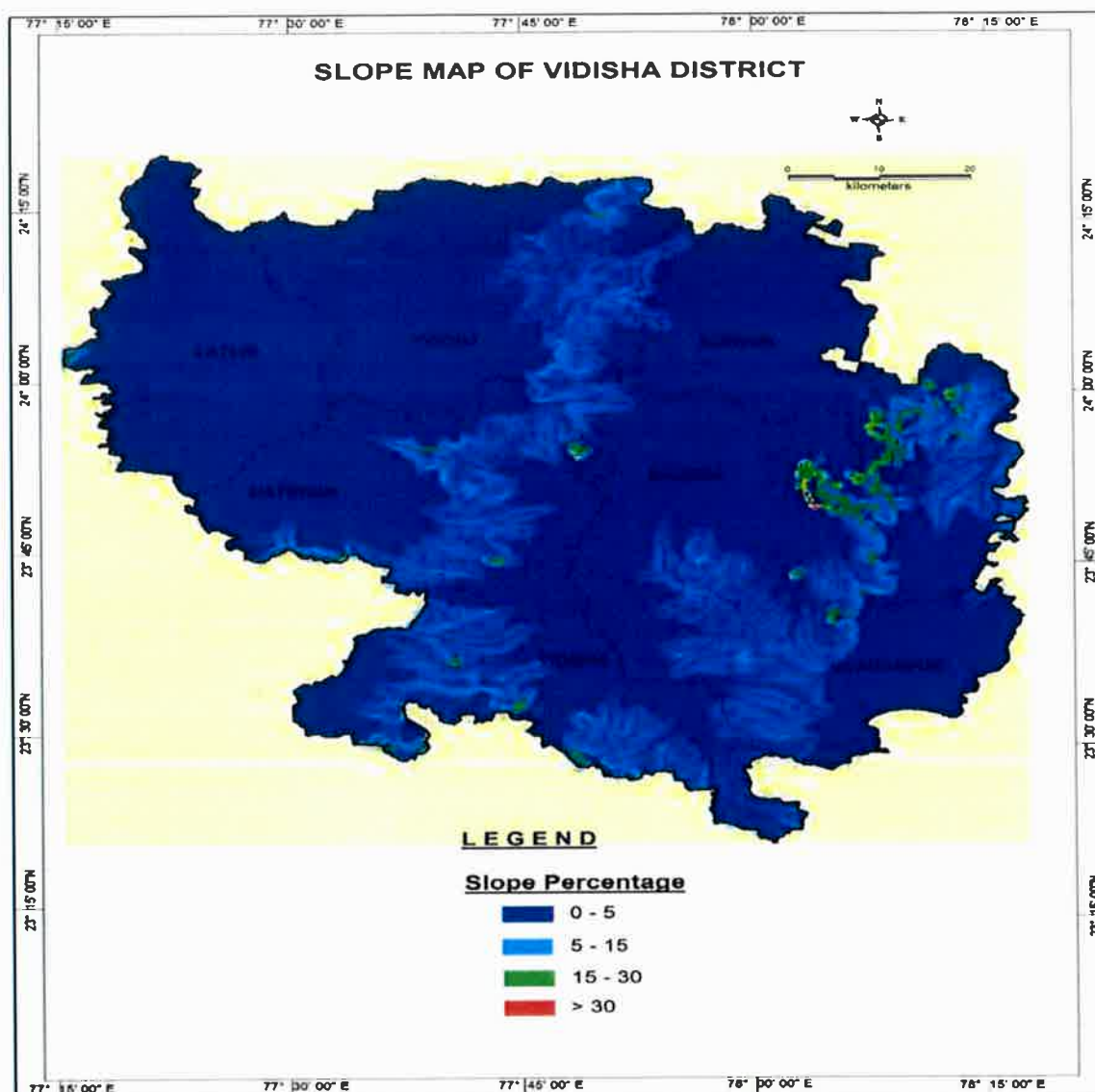
  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

## 7. जिले का सामान्य प्रोफाइल

क्र.	जिले की जानकारी	जिले का तथ्य
1	जिले का नाम	विदिशा
2	गठन	01 नवम्बर, 1956
3	ब्लॉक	विदिशा, बासौदा, ग्यारसपुर, कुरवाई, लटेरी, सिंरोज और नटेरन
4	तहसीलें	विदिशा, बासौदा, नटेरन, शमशाबाद, लटेरी, सिंरोज, कुरवाई, पठारी, त्यौदा, ग्यारसपुर तथा गुलाबगंज
5	पड़ोसी जिलों के साथ सीमा	गुना, अशोकनगर, रायसेन, सागर और भोपाल
6	संभागीय कार्यालय	भोपाल
7	जिले का क्षेत्रफल	7,371 वर्ग कि.मी.
8	गाँव	1,522
9	भाषा	हिन्दी
10	पुलिस स्टेशन	23
11	जनसंख्या (2011)	14,58,875
12	पुरुष जनसंख्या (2011)	7,69,568
13	महिला जनसंख्या (2011)	6,89,307
14	जनसंख्या घनत्व	198/वर्ग किमी.
15	पुरुष महिला अनुपात	1000/896
16	साक्षरता दर (2011)	70.53 प्रतिशत
17	मुख्य नदियाँ	सिंध, बीना, एवं बेतवा नदी
18	विधानसभा सीट	विदिशा, कुरवाई, सिंरोज, शमशाबाद और बसौदा
19	भौगोलिक स्थिति	23°15'00"N - 24°15'00"N व 77°15'00"E - 78°15'00"E, अक्षांतर-देशांतर
20	समुद्र तल से औसत ऊँचाई	424 मीटर (1,391 फीट)

  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Parvatan Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)





Slope, Landscape Features के मौलिक रूप को दर्शाता है, जो कि इन Features की Hydrological Engineering व Environmental Aspects के लिए महत्वपूर्ण है। जिला विदिशा का Slope Classification निम्नानुसार है-

### Classification of Slope Percentage

Slope (%)	Slope Classification
0-5	Flat or Almost Flat
5-15	Gently Sloping
15-30	Moderately Steep
More than 30	Very Steep

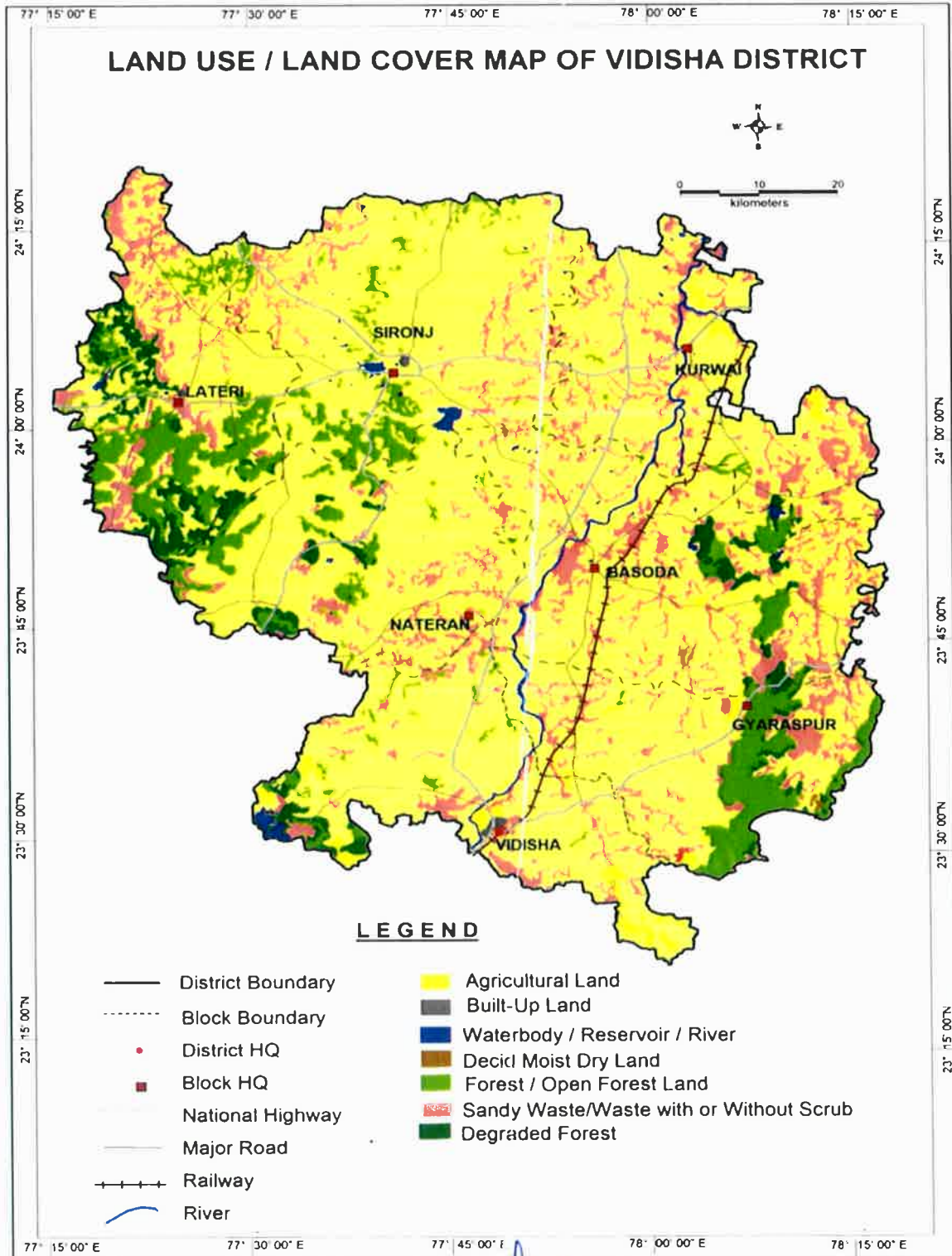
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.

(EPCO)

Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

8. जिले में भू उपयोग का पैटर्न: वन, कृषि, उद्यान कृषि, खनन आदि

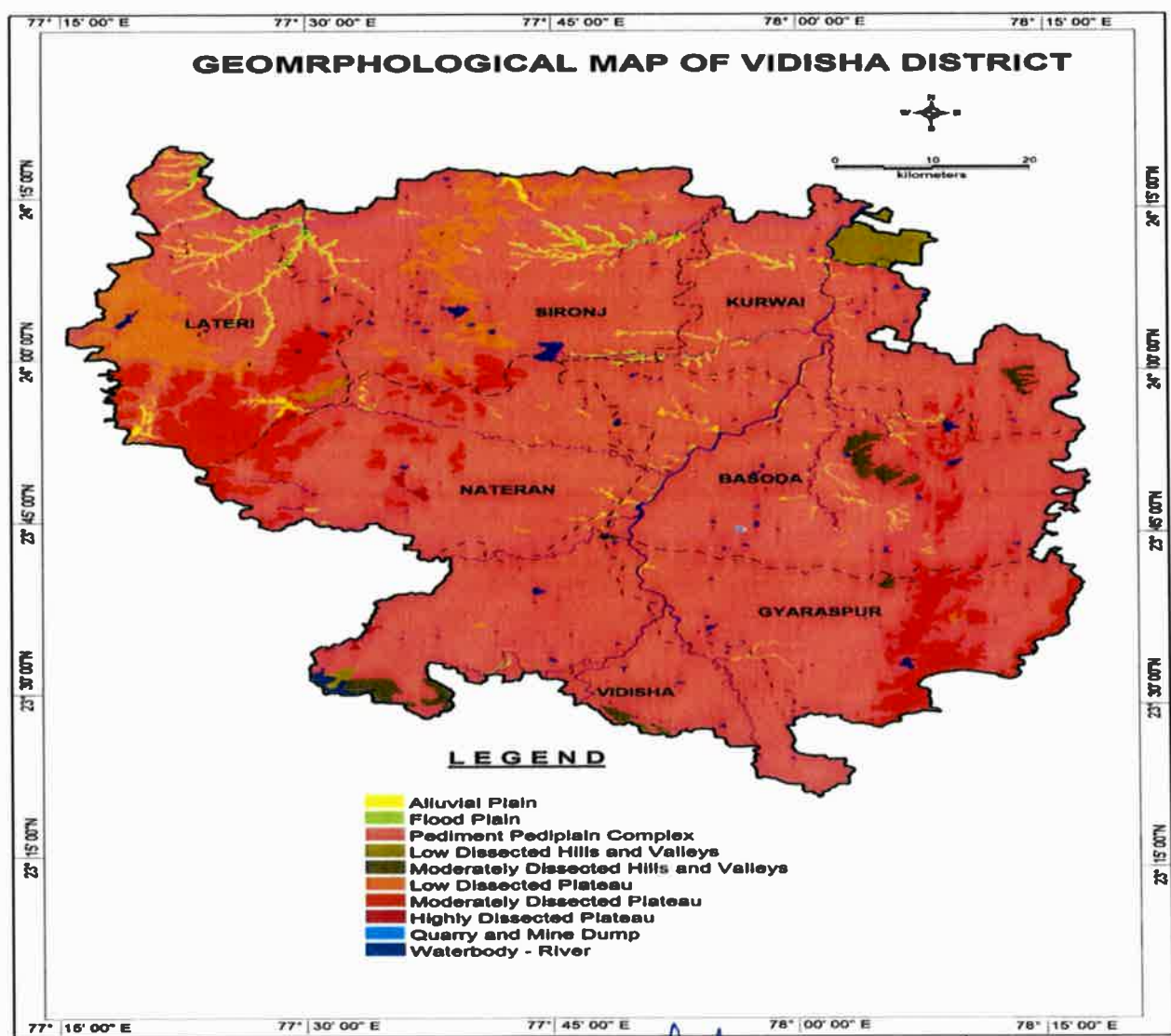
जिला विदिशा का कुल भौगोलिक क्षेत्र 737100 हेक्टेयर है। जिसमें से 100794.04 हेक्टेयर पर वन भूमि है। जिला विदिशा का कृषि क्षेत्र 584732 हेक्टेयर कृषि भूमि है तथा खनन क्षेत्र 223.888 हेक्टेयर क्षेत्र है।



State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

## 9. जिले की भू- आकृति

भूआकृतिकी रूप से जिला अत्याधिक दुर्गम, तथा उन्नत-अवनत भू-भागों से युक्त है, जिसमें अपरदित पठार, घटियाँ तथा मैदान विद्यमान हैं। यह जिला बेतवा, केल्हन, केवटन तथा बघिरा नदियों द्वारा विकसित द्रोणी का भाग है। इन नदियों में सदैव जल प्रवाहित रहता है। जिले के दक्षिण पूर्वी तथा दक्षिण पश्चिमी भाग में डेक्कन ट्रेप लावा-स्तरों से विकसित उन्नत पठारी भू-भाग तथा मध्य भाग में घाटियाँ तथा मैदान दर्शनीय हैं। उत्तर-पूर्व दिशा की ओर प्रवाहित बेतवा मुख्य नदी है तथा इसकी सहायक नदियाँ दोनों दिशाओं से इसमें मिलती हैं। केवटन नदी एक और प्रमुख नदी है जो द.प. से उ.पू. दिशा की ओर बहती है। सिंध नदी इसकी मुख्य सहायक नदी है। जिले का उच्चतम व न्यूनतम स्थान समुद्र तल से क्रमशः 666 मी. व 350 मी. ऊपर स्थित है।



*[Signature]*  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



## 10. मासवार वर्षा

विदिशा जिले की सामान्य वर्षा 1135.5 मिमी है। विदिशा में अधिकतम बरसात दक्षिण-पश्चिम मानसून अवधि के दौरान होती है। वार्षिक वर्षा का लगभग 91.4% वर्षा मानसून के मौसम के दौरान होती है। वार्षिक वर्षा का केवल 8.6% अक्टूबर से मई की अवधि में प्राप्त होती है। भूजल पुनर्भरण के लिए अधिशेष जल केवल दक्षिण-पश्चिम मानसून अवधि के दौरान उपलब्ध होता है। जिले में सर्वाधिक वर्षा कुरवाई में हुई अर्थात् 1191.0 मिमी और न्यूनतम बरेली में यानि 1150.3 मिमी। जिले में मई के महीने में अधिकतम तापमान 41.7°C और दिसंबर के महीने में न्यूनतम तापमान 8.9°C दर्ज हुआ। जिले का सामान्य वार्षिक औसत अधिकतम तापमान क्रमशः 32°C और 17.9°C है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम में सापेक्षिक आर्द्रता सामान्यतः 94% (अगस्त माह) से अधिक हो जाती है। शेष वर्ष में सूखा रहता है। जिले में वर्ष का सबसे शुष्क भाग गर्मी का मौसम होता है, जब सापेक्षिक आर्द्रता 39% से कम होती है। अप्रैल साल का सबसे शुष्क महीना होता है। मानसून के बाद की अवधि की तुलना में प्री-मानसून अवधि के दौरान हवा का वेग अधिक होता है। अधिकतम हवा का वेग जून के महीने में 11.2 किमी/घंटा और दिसंबर के महीने में न्यूनतम 1.5 किमी/घंटा है। विदिशा जिले की औसत सामान्य वार्षिक हवा का वेग 5.3 किमी/घंटा है।

### औसत वर्षा माहवार (मिमी. में)

क्रमांक	माह	वर्ष 2018	वर्ष 2019	वर्ष 2020
1	जनवरी	0.0	0.0	4.05
2	फरवरी	9.12	8.0	—
3	मार्च	3.7	—	13.48
4	अप्रैल	6.31	16.76	2.0
5	मई	—	1.5	4.65
6	जून	127.275	4.375	308.83
7	जुलाई	263.03	317.61	149.1
8	अगस्त	237.71	631.07	409.17
9	सितंबर	141.75	583.95	150.41
10	अक्टूबर	—	42.76	1.4
11	नवंबर	—	—	—
12	दिसंबर	—	8.55	—

(Reference Land Record office Vidisha district)

State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(SEIAA)



## 11. भूगर्भ और खनिज संपदा

भूविज्ञानिकी रूप से जिले में विन्ध्यन महासमूह व डेक्कन ट्रैप के शैल-प्रकार, लैंटेराइट व जलोढ़क विद्यमान हैं। विन्ध्यन महासमूह प्रमुखतः कैमूर, रीवा व भाण्डेर समूहों के अवसादीय शैल-प्रकारों से युक्त है। प्रवर कैमूर बालू-पत्थर कैमूर समूह का सबसे पुरातन शैल प्रकार है तथा जिले के छोटे भाग में पाया जाता है। यह बालू-पत्थर गुलाबी पन से युक्त व मटमैले रँग, महीन से मध्यम कणीय गुणों का है तथा विदिशा के दक्षिणपूर्व भाग में पाया जाता है। पन्ना शेल खाकी से हरे रंग, तथा सिल्टस्टोन के अंतस्तरों के साथ भंगुर गुणों से युक्त है। विदिशा के द. पू. भाग में पन्ना शेल के अवशेष आउट क्राप पाये जाते हैं।

अवर रीवाँ बालू-पत्थर लाल से गुलाबी व सफेद रंग, महीन से मटे कणों के, मोटे स्तरों से युक्त तथा उ.प.-द.पू. दिशा जनित छोटी पहाड़ियों में जिले के मध्य, दक्षिणी व पूर्वी भागों में विद्यमान हैं। झीरी शेल खाकी हरे, पिले रंग के साथ गहरी भूरी पट्टियों से युक्त, भंगुर तथा सिल्टस्टोन के अंतस्तरों से युक्त है। झीरी शेल के अवशेष आउटक्राप बसोदा शहर के पूर्व में मिलते हैं। प्रवर रीवा बालू-पत्थर मटमैले से गुलाबी रँग, महीन से मटे कणों के तथा प्रचुर क्रास बेडिंग संरचनाओं के साथ पाये जाते हैं। उ.पू.-द.प. दिशा जनित पहाड़ियाँ इन बालू-पत्थर से विकसित विदिशा शहर के उ.प. व द.प. भाग में विद्यमान हैं।

अवर भाण्डेर बालू-पत्थर गुलाबी, लाल व सफेद रंग के, मध्यम कणों के तथा अंतसंरचनात्मक कांग्लोमिरेट के साथ पाये जाते हैं। यह इकाई पृथक छोटी पहाड़ियों जो कुवेस्टा व समतल पठारों को विकसित करती हैं जिनमें खड़े ढलान चारों दिशा में विद्यमान हैं। जिले के दक्षिण-पश्चिमी भाग में अवर भाण्डेर बालू-पत्थर के खण्ड के पाये जाते हैं।

उर्ध्व चट्टानों के किनारों पर सिरबू शेल के आउटक्राप पाये जाते हैं। यह शेल खाकी हरे रंग व बैंगनी रंग के साथ चाकलेट रंग की पट्टिये व भंगुरता युक्त है। जिले के दक्षिण पूर्वी भाग में सिरबू शेल के अवशेष आउटक्राप उपलब्ध हैं। प्रवर भांडेर बालू-पत्थर सिरबू शल शैल स्तरों के ऊपर पाये जाते हैं। यह इकाई विशिष्ट भूआकृतिक इकाइयों को दर्शाती है जिनमें समतलीय स्तर युक्त शैल प्रकारों से

विकासित कुवेस्टा, अनियमित रूप से अवशेष पहाड़ियाँ जिनमे खड़े ढलान हैं। जिले के दक्षिण पश्चिमी भाग में यह इकाई विद्यमान है।

डेक्कन ट्रैप बेसाल्ट लावा स्तर जिले के अधिकांश भाग में व्याप्त हैं तथा इनको विशिष्ट भौतिक गुणों, निर्दिष्ट स्तरों व मापदण्डों के आधार पर तीन संरचना-स्तरों में वर्गीकृत किया गया है। यद्यपि  $24^{\circ}00'0''$  अक्षांश के उत्तर में व्याप्त लावा खतरों के वर्गीकृत नहीं किया गया है घनीवा-कालीसिंध संरचना-स्तर आठ बेसाल्टिक लावा-स्तरों से युक्त हैं जो कि महीन से मध्यम कणीय, मध्यम पॅरफिरिटिक व 'आ' प्रकार के हैं। यह इकाई जिले के पूर्वी व पश्चिमी भागों में व्याप्त है। इन्दौर संरचना-स्तर तीन बेसाल्टिक लावा-स्तरों से युक्त है जो कि महीन से मध्यम कणीय, मध्यम पॅरफिरिटिक तथा विदिशा के पूर्वोत्तर व मध्य भागों में व्याप्त हैं। लैटेराइट के निक्षेप पृथक रूप से डेक्कन ट्रैप के ऊपर आच्छादित हैं। ये लाल (ईट के रंग के समान) से पीले भूरे रंग, वृहतकार, बोल्टरी व कैवूर्नस प्रकृति के हैं। जलोढ़क अधिकांशतः नदियों की घाटियों तथा वर्तमान बाढ़कृत मैदानों में व्याप्त हैं। ये बालू, सिल्ट व अल्प मात्रा में मृदा से युक्त हैं।

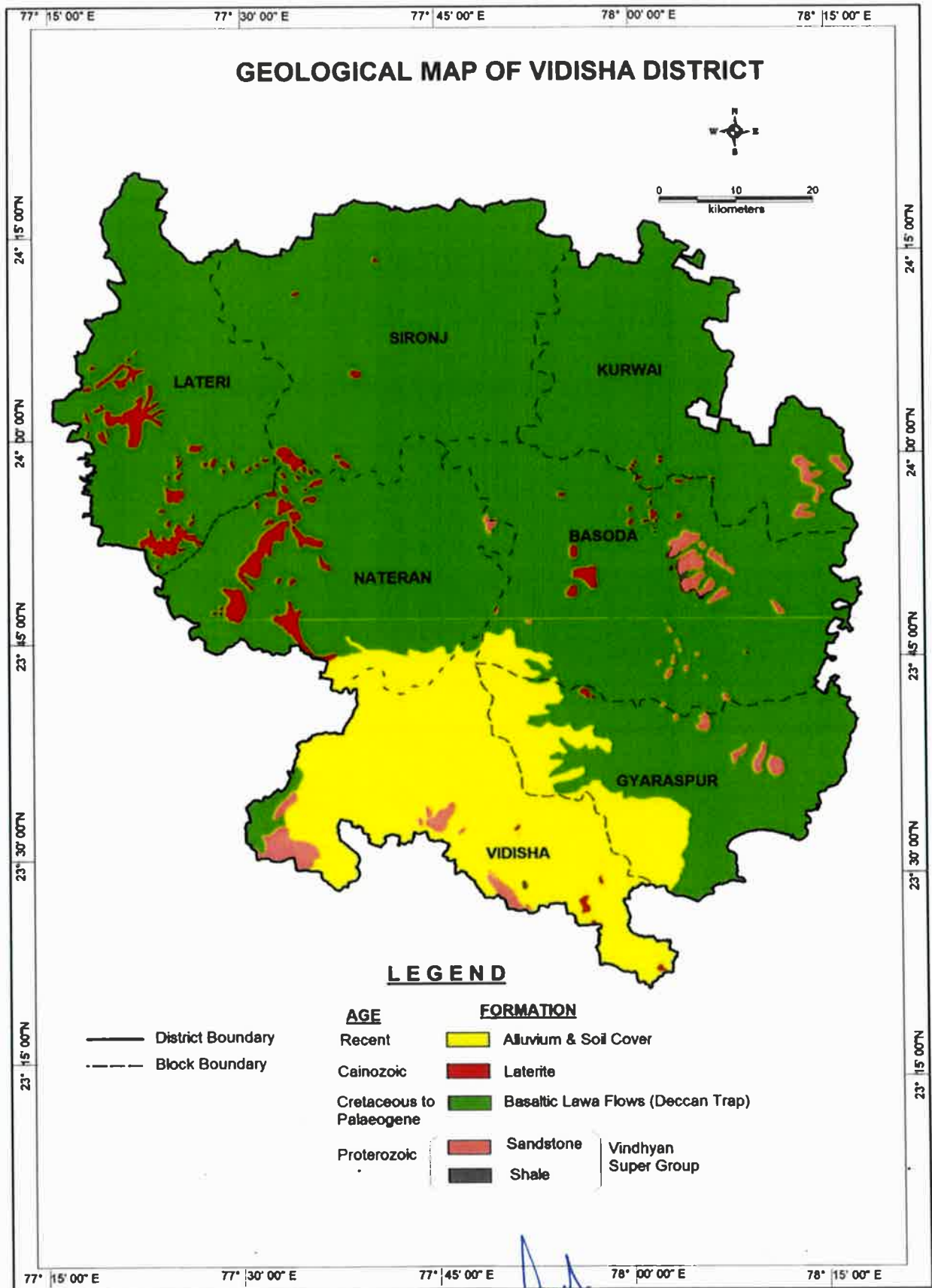
लैटेराइट के साथ बॉक्साइट, लौह अयस्क व मृदा के प्राप्ति-स्थल उपलब्ध हैं। विन्ध्यन बालू पत्थर व बेसाल्ट लावा-स्तर का उपयोग भवन निर्माण के लिये स्थानीय लोगों द्वारा किया जाता है। कई स्थानों पर लैटेराइट के निक्षेप बेसाल्ट लावा-स्तरों के ऊपर पृथक रूप से पाये जाते हैं। सामान्यतः ये लौह तत्व से परिपूर्ण हैं तथा एल्यूमिनस लैटेराइट के बोल्टर असामान्य रूप से पाये जाते हैं। लिथेमार्ज मृदा का उपयोग निर्माण कार्य के लिये स्थानीय ग्रामीणों द्वारा किया जाता है। बॉक्साइट के प्राप्ति-स्थल बसोदा ( $23^{\circ}51':77^{\circ}56'$ ), बाथेली व चित्रवन ( $23^{\circ}43':77^{\circ}56'$ ) के समीप उपलब्ध हैं। पूर्ण एल्यूमिनस लैटेराइट के अनेको गोलाकार निश्लेप कोंकरगढ़ व इसरवार ( $24^{\circ}08' :77^{\circ}26'$ ), कोटरा व आगरा ( $23^{\circ}56':77^{\circ}28'$ ), परगना के निकट सिरोंज में पाये जाते हैं। अधिकांश बेसाल्ट लावा-स्तर के कठोर व स्तम्भाकार बड़े टुकड़े या बोल्टर सेतु निर्माण, पथ निर्माण व कंक्रीट सामग्री के रूप में उपयोग किये जाते हैं। सूक्ष्म कणीय, कठोर व पतले स्तरों

State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.

(EPCO)

Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

के प्रवर भाण्डेर बालू-पत्थर वृहत पट्टिकाओं के रूप में फर्श, छत व पत्थर की ईंटों के लिये उपयोग किये जाते हैं।



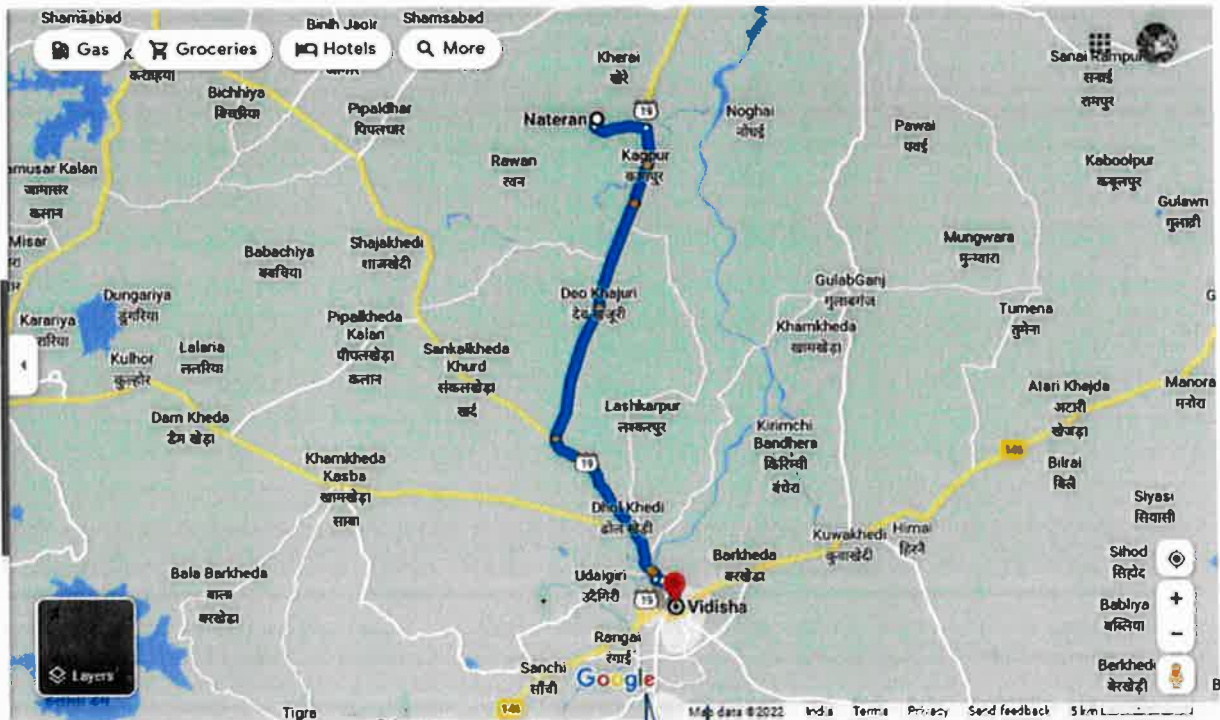





## कुरवाई से बीना मार्ग



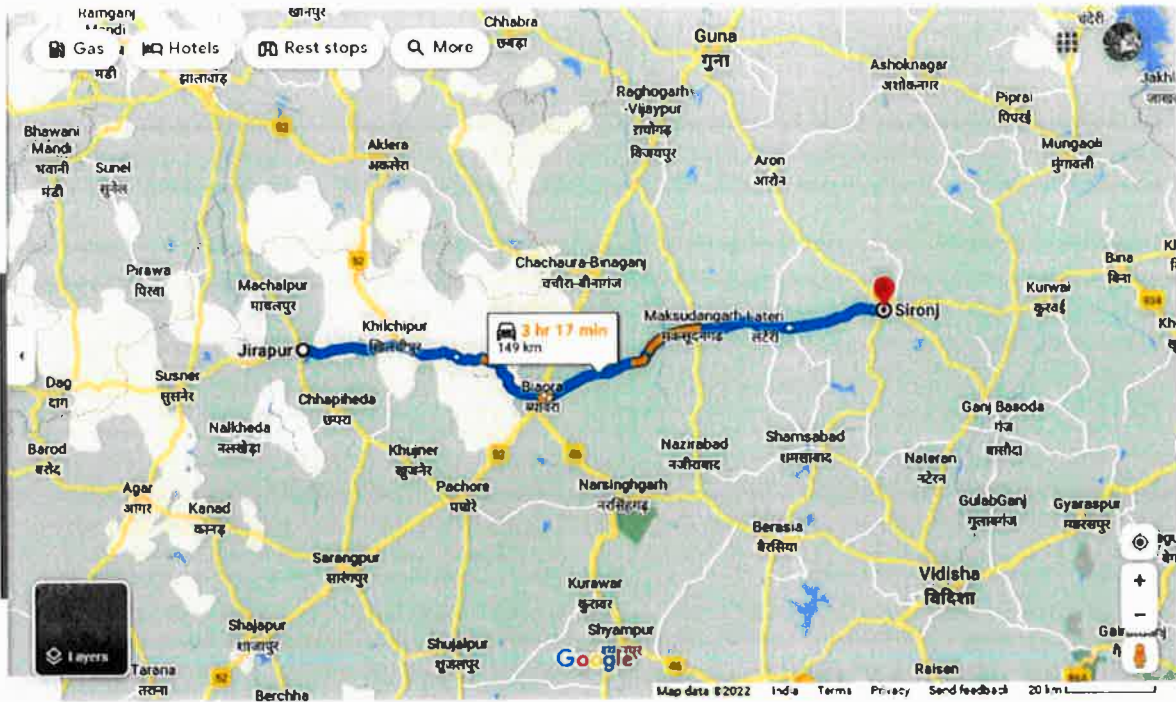
## नटेरन से विदिशा मार्ग



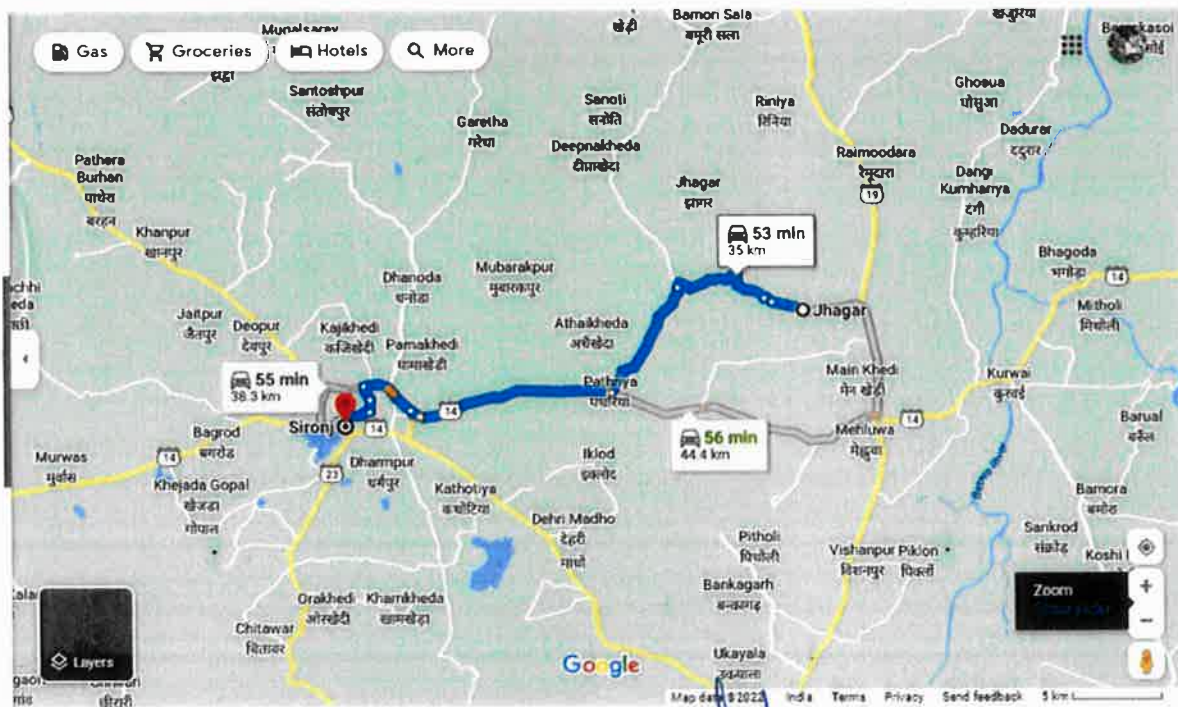
  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (E-3)  
 Parvatan Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



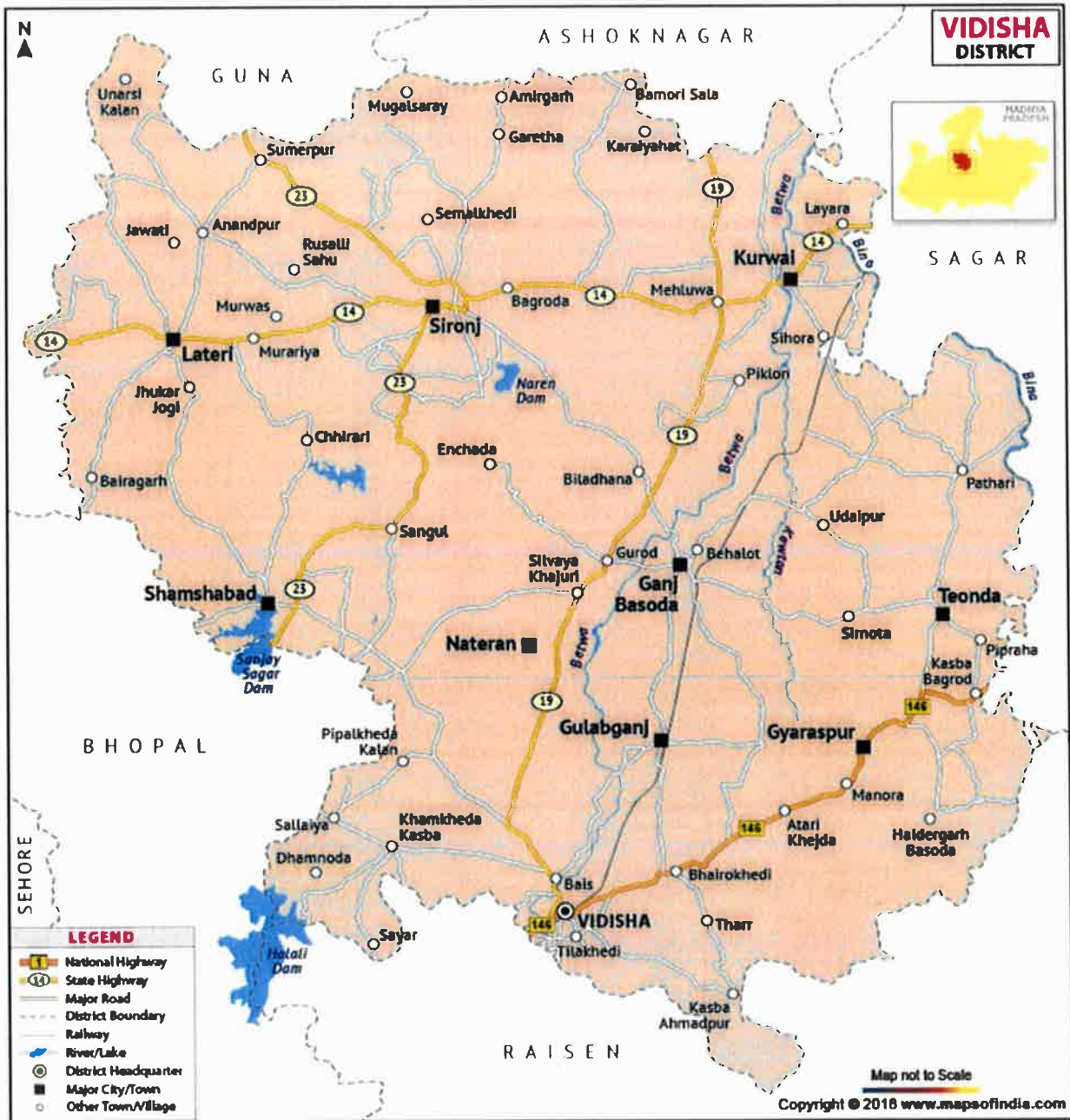
## जीरापुर से सिरोंज मार्ग



## झागर से सिरोंज मार्ग



## जिला विदिशा से अन्य जिलों के लिए मार्ग



*[Handwritten Signature]*

State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



जिला विदिशा में खनिज रेत (काली बजरी) के रूप में पाई जाती हैं। बोल्टर, ग्रेवल, मिट्टी, गाद का अधिक मात्रा में मिश्रण रहता है। उक्त डिपाजिट्स में से खनिज रेत प्राप्त करने के लिए पूरे मिश्रण को छानकर पृथक किया जाता है। इस प्रक्रिया में प्राप्त रेत की मात्रा उपलब्ध कुल डिपाजिट्स की मात्रा से काफी कम हो जाती है। साथ ही जिला विदिशा के नदी स्रोतों पर स्थित खदानों में रेत निरंतर रूप में न मिलते हुए अंतराल पर पृथक-पृथक गहराई पर पाई जाती है। जिससे खदान के क्षेत्रफल अनुसार खनिज मात्रा की गणना एवं वास्तविक तौर पर क्षेत्र का मौका निरीक्षण करने पर पाई गयी मात्रा में अंतर पाया जाता है। हालांकि उक्त स्थानों पर रेत मात्रा कम उपलब्ध है परन्तु खनिज रेत की अवैध खनन की रोकथाम करने बावत उक्त स्थानों पर रेत खदाने घोषित कर नीलामी की प्रक्रिया की गई है। जिले की वर्तमान स्थिति अनुसार यह भी उल्लेखनीय है कि नदियों एवं धाराओं पर बांध स्टाप डेम के निर्माण से खनिज रेत (बजरी) के भण्डार, वर्ष के अधिकांश माह में जलमग्न रहता है तथा ग्रीष्म काल के कुछ माह में रेत (बजरी) के उत्पादन हेतु खुला क्षेत्र उपलब्ध रहता है। भविष्य में रेत (बजरी) के दोहन के लिए एन.जी.टी. के नियमानुसार खुला क्षेत्र मिल पाने में कठिनाई की संभावना परिलक्षित पाई गई।

Annexure

मुख्य नदियों के विवरण सहित निकासी प्रणाली

क्र. सं.	नदी का नाम	निष्कासन क्षेत्र (वर्ग किलोमीटर)	जिले में प्रतिशत निष्कासित क्षेत्र (वर्ग किलोमीटर)
1	बेतवा	44002	16.62%

Annexure

महत्वपूर्ण नदियों और धाराओं की मुख्य विशेषताएं

क्र. सं.	नदी या धारा का नाम	जिले में कुल लंबाई (किलोमीटर में)	उदगम का स्थान	उदगम के स्थान पर ऊंचाई
1	बेतवा	114	झिरी, जिला-रायसेन	497 m.
2	टेम	25.9	अमीनपुर, जिला-विदिशा	530.9 m.
3	कैथन	44.3	काजीखेड़ी, जिला-विदिशा	519 m.
4	सगड़	65.2	सेमरी, जिला-विदिशा	519 m.

State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)



Annexure				
खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया नदी या धारा का भाग	खनिज छूट के लिए सिफारिश किए गए क्षेत्र की लंबाई (मीटर में)	खनिज छूट के लिए सिफारिश किए गए क्षेत्र की औसत चौड़ाई (मीटर में)	खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया क्षेत्र (वर्ग मीटर में)	खनन योग्य खनिज क्षमता (मीट्रिक टन में) (कुल खनिज क्षमता का 60 प्रतिशत)
सिरावली	450	50	22500	9450
लचायरा	210	50	10500	8820
विशनपुर	3000	10	30000	12600
दुनातर	150	100	15000	6300
देवली	750	20	15000	6300
लेटनी	500	20	10000	4200
बोधीघाट	400	25	10000	4200
जीरापुर	2800	15	42000	17640
खरतरी	1300	65	84500	35490
गोहवी	270	40	10800	4536
झागर	650	10	6500	5460
ढिमरोली	1100	10	11000	4620
आमखेडा सूखा	380	20	7600	3192
जोहद	400	25	10000	16800
दनवास	700	15	10500	8820
वैरागढ	350	35	12250	30870

Annexure		
खनिज क्षमता		
बोल्डर (मीट्रिक टन)	रेत (काली बजरी)	कुल खनन योग्य खनिज क्षमता (मीट्रिक टन)
61656	92484	154140

State Level Environment Impact  
Assessment & Monitoring Project  
Assessment Authority, M.P.  
**Paryavaran Parishad**  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

क्रम ंक	नदी का नाम	ग्राम का नाम	खनिज रियायत क्षेत्र का परिमाण			खनिज स्ट्रूट के लिए सिफारिश क्षेत्र (वर्ग मीटर में)	खनिज रेत निक्षेप क्षेत्र का परिमाण				कुल खनिज रेत निक्षेप की मात्रा का 60 प्रतिशत (घन मीटर में)	कुल खनिज रेत निक्षेप का मात्रा का 60 प्रतिशत (मीट्रिक टन में)	विगत तीन वर्षों में उत्पादित रेत खनिज की मात्रा (प्रतिवर्ष घन मीटर)		
			खनिज स्ट्रूट के लिए सिफारिश क्षेत्र (वर्ग मीटर में)	खनिज स्ट्रूट के लिए सिफारिश क्षेत्र (वर्ग मीटर में)	खनिज स्ट्रूट के लिए सिफारिश क्षेत्र (वर्ग मीटर में)		खनिज रेत निक्षेप की लंबाई (मीटर में)	खनिज रेत निक्षेप की चौड़ाई (मीटर में)	खनिज रेत निक्षेप की गोटाई (मीटर में)	खनिज रेत निक्षेप की मात्रा (घन मीटर में)			वर्ष 2018- 19	वर्ष 2019- 20	वर्ष 2020- 21
1	बेतवा	सिरावली	17	450	50	22500	250	50	0.5	6250	3750	5250	6000	-	3
2	बेतवा	लवायरा	3	210	50	10500	200	50	1	10000	6000	8400	7499	7500	-
3	कैथन	विशानपुर	1,29,220	3000	10	30000	600	10	0.5	3000	1800	2520	-	-	-
4	बेतवा	दुनातर	1	150	100	15000	110	95	0.5	5225	3135	4389	-	-	4966
5	बेतवा	देवली	159	750	20	15000	400	20	0.5	4000	2400	3360	-	-	-
6	बेतवा	लेटली	563	500	20	10000	400	20	0.5	4000	2400	3360	-	-	92
7	बेतवा	बोधीघाट	82	400	25	10000	400	25	0.5	5000	3000	4200	-	-	3
8	सगड़	जीरापुर	241,299	2800	15	42000	400	15	0.5	3000	1800	2520	-	750	-
9	बेतवा	खरतरी	223	1300	65	84500	150	65	0.5	4875	2925	4095	5000	1250	-
10	बेतवा	गोहची	295	270	40	10800	200	40	0.5	4000	2400	3360	-	-	-
11	कैथन	झागर	276	650	10	6500	600	10	1	6000	3600	5040	-	-	5990
12	कैथन	खिमरोली	163	1100	10	11000	1000	12	0.5	6000	3600	5040	-	-	-
13	सगड़	आमखेडा सूखा	114	380	20	7600	300	20	0.5	3000	1800	2520	-	-	2999
14	सगड़	जोहद	1	400	25	10000	300	25	2	15000	9000	12600	-	-	-
15	सगड़	दन्वास	24	700	15	10500	650	15	1	9750	5850	8190	5000	10000	-
16	टेम	चैरागाढ	273	350	35	12250	200	35	3	21000	12600	17640	-	-	-
										<b>110100</b>	<b>66060</b>	<b>92484</b>			

नोट - 1. नवीन खदान की अनुबंध की प्रक्रिया प्रचलन में होने से, खदान संचालन हेतु अनुमतियों के अभाव के फलस्वरूप खदानों का उत्पादन निरंक है।  
2. खनिज रियायत के आंशिक भागों में जल भराव क्षेत्र एवं जलोढ़ क्षेत्रों की स्थिति के कारण खनिज रेत निक्षेप की उपलब्धता का परिमाण खनिज रियायत क्षेत्र के परिमाण से कम है।

State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.

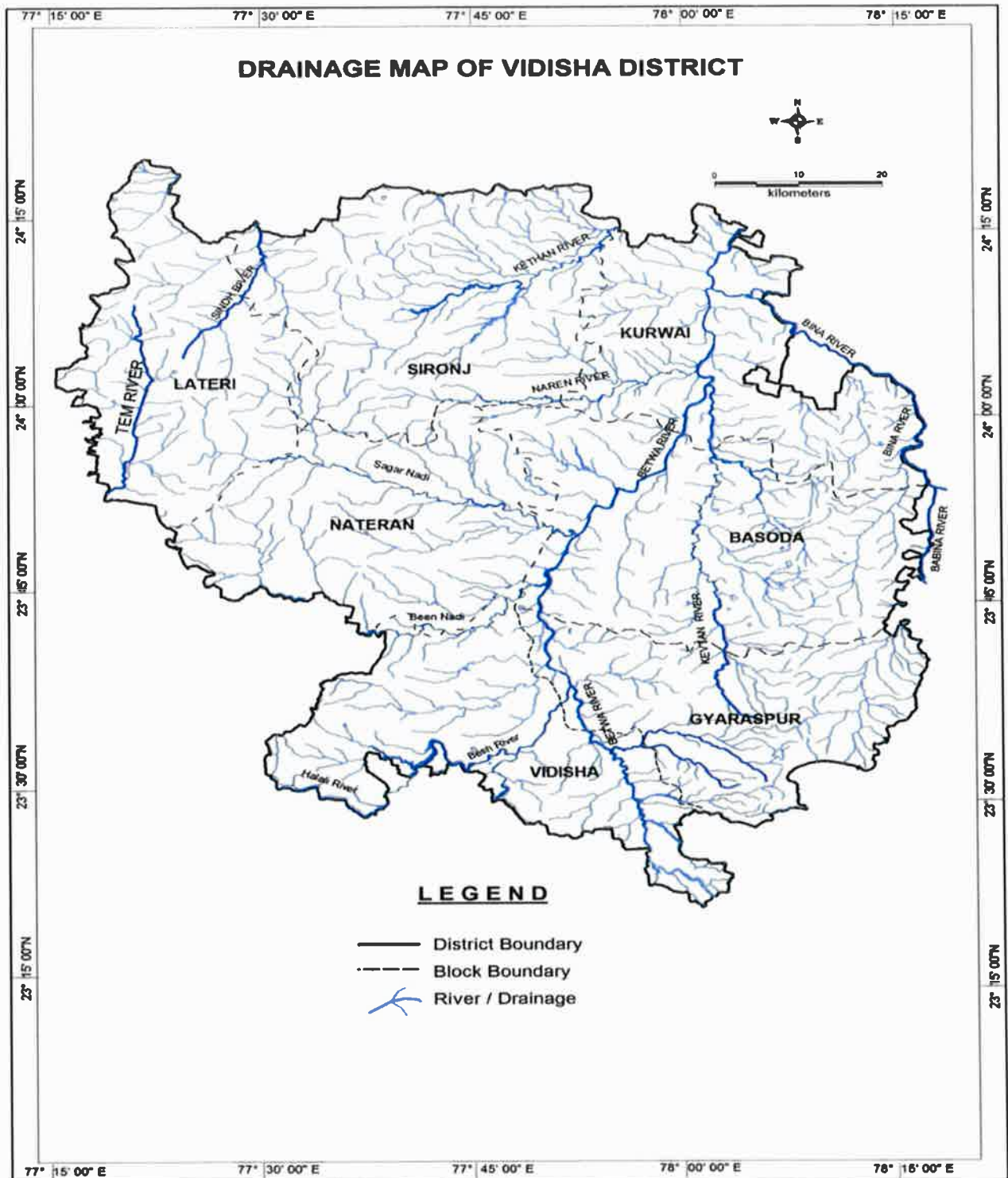
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)


मानसून पूर्व एवं पश्चात् रेत निक्षेप की जानकारी

क्रमांक	नदी का नाम	खनिज रियायत क्षेत्र का परिमाण				खनिज स्ट्रू के लिए सिफरशिफ किया गया क्षेत्र (वर्ग मीटर में)	मानसून के पूर्व खनिज रेत निक्षेप क्षेत्र का परिमाण				मानसून के पश्चात् खनिज रेत निक्षेप क्षेत्र का परिमाण			
		खनिज स्ट्रू के लिए सिफरशिफ किया गया नदी या धारा का भाग (खसरा नंबर)	खनिज स्ट्रू के लिए सिफरशिफ किए गए क्षेत्र की लंबाई (मीटर में)	खनिज स्ट्रू के लिए सिफरशिफ किए गए क्षेत्र की चौड़ाई (मीटर में)	खनिज स्ट्रू के लिए सिफरशिफ किए गए क्षेत्र की औसत चौड़ाई (मीटर में)		खनिज रेत निक्षेप की लंबाई (मीटर में)	खनिज रेत निक्षेप की चौड़ाई (मीटर में)	खनिज रेत निक्षेप की मोटाई (मीटर में)	खनिज रेत निक्षेप की मात्रा (घन मीटर में)	खनिज रेत निक्षेप की लंबाई (मीटर में)	खनिज रेत निक्षेप की चौड़ाई (मीटर में)	खनिज रेत निक्षेप की मोटाई (मीटर में)	खनिज रेत निक्षेप की मात्रा (घन मीटर में)
1	बेतवा	17	450	50	22500	250	50	0.25	3125	250	50	0.5	6250	
2	बेतवा	3	210	50	10500	200	50	0.5	5000	200	50	1	10000	
3	कैथन	1,29,220	3000	10	30000	600	10	0.5	3000	600	10	0.5	3000	
4	बेतवा	1	150	100	15000	110	95	0.25	2612.5	110	95	0.5	5225	
5	बेतवा	159	750	20	15000	400	20	0.25	2000	400	20	0.5	4000	
6	बेतवा	563	500	20	10000	400	20	0.25	2000	400	20	0.5	4000	
7	बेतवा	82	400	25	10000	400	25	0.25	2500	400	25	0.5	5000	
8	सगड़	241,299	2800	15	42000	400	15	0.25	1500	400	15	0.5	3000	
9	बेतवा	223	1300	65	84500	150	65	0.25	2437.5	150	65	0.5	4875	
10	बेतवा	295	270	40	10800	200	40	0.25	2000	200	40	0.5	4000	
11	कैथन	276	650	10	6500	600	10	0.25	1500	600	10	1	6000	
12	कैथन	163	1100	10	11000	1000	12	0.25	3000	1000	12	0.5	6000	
13	सगड़	114	380	20	7600	300	20	0.25	1500	300	20	0.5	3000	
14	सगड़	1	400	25	10000	300	25	1	7500	300	25	2	15000	
15	सगड़	24	700	15	10500	650	15	0.5	4875	650	15	1	9750	
16	टेम	273	350	35	12250	200	35	1.5	10500	200	35	3	21000	
									55050				110100	

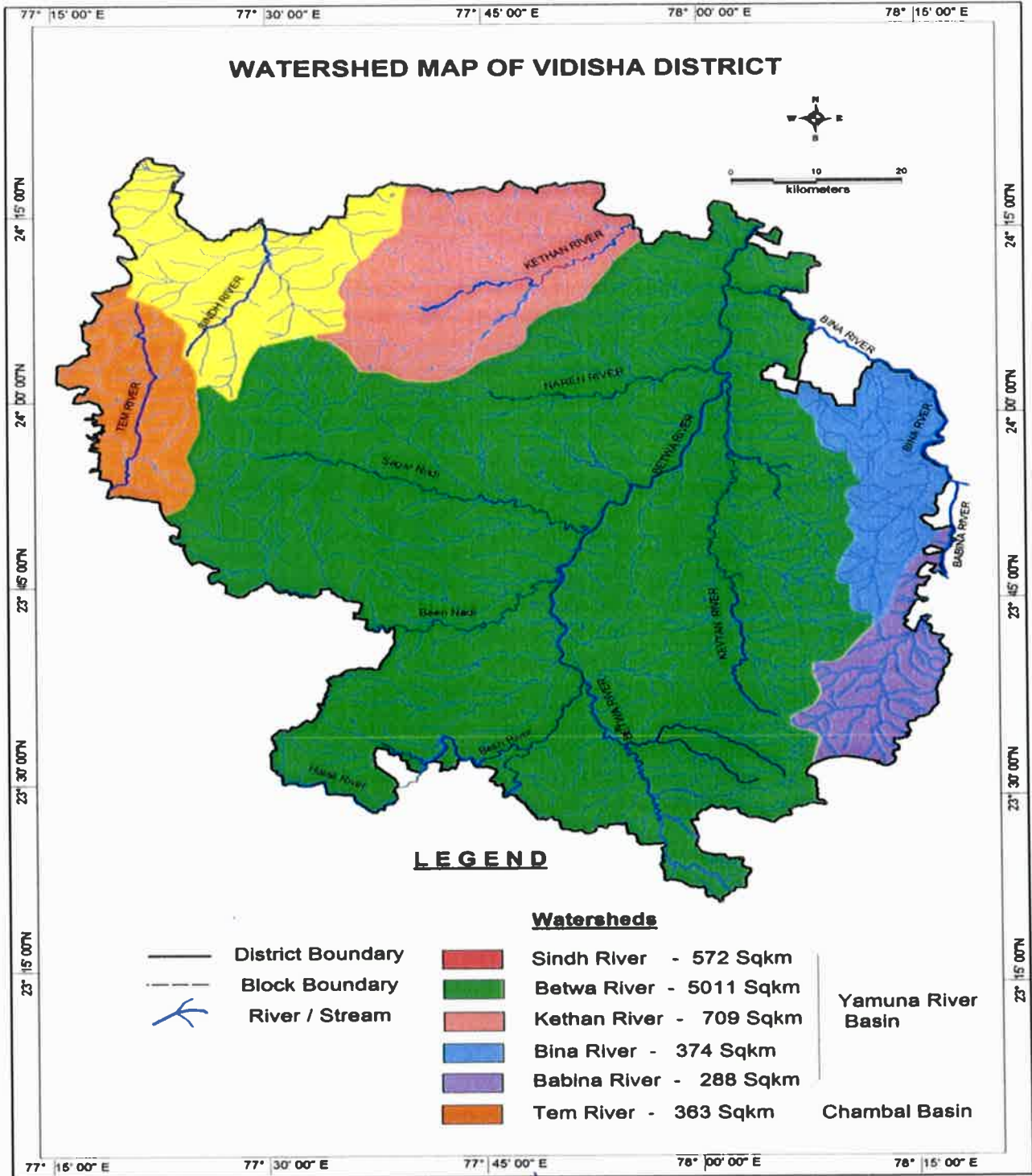
State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P.





  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPGO)  
 Paryavaran Parkar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)





State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

**5950hajt; trjh; fi'kSk eV; ldu tfevr th bBd  
fnukd 22 ft rEcj 2022**

yf'k gS fd l d ds dk; bkgf foj.k ea idj.k ds 'kr'kd ea [kfut eq e ds LFku ij iRFkj rFk vuqkd k ea mRiknu {kerk eq e 37]500 Vu@o"lz ds LFku ij 37]500 ?kuehVj@o"lz vfidr gks x; k gA

jkt; Lrjh; i; kbj.k l ek?kr fu/ldj.k i kf/kdj.k %EIAA% }kjk foLrr pplz, oafopkj foe'kz mijkr fu.kz fy; k x; k fd mijkr i; kbj.kh; Lohdr ea l akdku i= tkjh djust siml SEAC ds dk; bkgf foj.k ea [kfut eq e ds LFku ij iRFkj rFk vuqkd k ea mRiknu {kerk eq e 37]500 ?kuehVj ds LFku ij 37]500 Vu@o"lz fd; s tkus grq idj.k SEAC dls vko'; d l akdku grqvxf'kr fd; k tk; A

vkt fnukd 22@09@22 dks idj.k l fevr ds l ek j [kk x; k A l fevr us pplz mijkr fu.kz fy; k fd %&

'idj.k ea, l b, l h dh 5490hacBd fnukd 15@02@2022 dks i; kbj.kh; Lohdr grqfl ; k dks i'kr vuqkd k ea =fVo'k mRiknu {kerk iRFkj&37]500 eh<sup>3</sup> ifr o"lz vld.k gks x; k Fkk] vr% mRiknu {kerk iRFkj&37]500 eh<sup>3</sup> ifr o"lz ds LFku ij mRiknu {kerk eq e&37]500 Vu@o"lz 145]000 ?kuehVj@o"lz i < s tkus dh vuqkd k djrh gS 'kSk 'kr@vuqkd k ; Fkkor jgax A\*\*

fufukd kj mYys[kr ftyk ho'k.k fjikVZ f'fut vf/kdkfj; ka t'ekjk vkt th bBd ds nkjku iLrq th x; h plb yug ftyk ho'k.k fjikVZ rtsMk ea t'phc) egla th fdrq l ek/kr f'fut vf/kdkfj; k@fujh(kda ds vujkSk ij ekueh; v/; {k egkn; t'ekjk iLrqhdj.k th v'uefr inku th xbz %&

**16.fofn'k jr f'fut**

vkt fnukd 22@09@22 dks ftyk l o'k.k fjikVZ ds iLrqhdj.k ds nkjku l pkuky; ] Hkksedh , o [kfude] foHkx Hkiky l s Jh ih-ih- jk; ] , oa Jh iadt oku[kM] [kfut fujh(kd [kfut vf/kdkjh ds l kFk mifLFkr jgs A

Mineral	Sand
Earlier DSR Discussed	SEAC 592 <sup>th</sup> & 594 th Meeting dated 09.06.2022 & 21.0922
Approved /or recommend for Updation (if Updation then elaborate issues)	Recommended for DSR Updation (Sand Mineral)
Deliberation in the SEAC 592 <sup>th</sup> & 594 th	jkt; trjh; eV; ldu tfevr th 5920hacBd fnukd 09@06@22 ftyk ho'k.k fjikVZ & jr f'fut] ftyk & fofn'k



**5950hajt; Lrjh; fi'kkk eV; kdu ffevr dh eBd  
fnukd 22 ft rEcj 2022**

( Mining)	
<b>Hard Copy Soft Copy or both</b>	Hard copy & Soft copy
<b>SEAC meeting dated 21/09/22</b>	ftys dh ftyk lo'kk.k fjikvZ es rkydk dD 26 ist u0- 37 ea ekbusy feujy ikv'k; y 1/2kuehVj e% 60% Vky feujy ikv'k; y] yhtokj yekb] pkbkz , e xgjkz ds l kfk n'kk; k gS , oafoxr 03 o"kk ds mR[kfur js dh ek=k dk yhtokj ikv'k; y fn; k x; k gA ftl l s kkr gk l dsfd ml LFky ij [knku dk feujy ikv'k; y foxr 03 o"kk esfdruk jgA

ppkz mijkr l fevr us ik; k fd [kfu- vf/kdkjh] dk; ky; dyDVj] 1/2kfut 'kk[kk1/2 ftyk& fofn'kk ds i= dD 2289] fnukd 12@09@22 ds ek; e l s feujy ikv'k; y dh x.kuk ea vko'; d l akksku dj js dh 60 ifr'kr ekbusy ikv'k; y 1/2s [kuu grq ehVd Vu ; fuV ea iLrq dj nh xbz gS feujy ikv'k; y dh x.kuk n'kkusokyh Vcy ea vko'; d l akksku dj js dh 60 ifr'kr ekbusy ikv'k; y 1/2s [kuu grq ehVd Vu ; fuV ea iLrq dj nh xbz gA

l fevr dh ;g Hkh vuqk k gSfd ftyk Lrj ij ftyk lo'kk.k fjikvZ r\$ kj djus grq xfBr ftyk l fevr dh vuqk k rFkk dh xbz fjlyfu'keV LVMh dh tkudkj 1/2tl ds vk/kj ij ftyk lo'kk.k fjikvZ r\$ kj dh xbz gA l e/kr ftyk [kfut vf/kdkjh dk; ky; ea l jf{kr j [kh tk; sA

vr% l fevr dh vuqk k gSfd fofn'kk ftys dh ftyk lo'kk.k fjikvZ 1/2s [kfut 1/2 vuqknu grq fopkjfkZ , e vxkeh dk; bkgg grq jkT; Lrjh; lk; kbj.k l ek?kk fu/kkj.k ikf/kdj.k dh vjg if'kr dh tk; sA

**17- ftyk lo'kk.k fjikvZ ejsuk&**

v- sru; xSk [kfut & js o's NMej 1/2eq e] e'kz iRFkj] feVh [peuh HkVVK] fxVh gVjkbV] poa'ky 1/2 ftyk& ejsuk

vkt fnukd 22@09@22 dks ftyk lo'kk.k fjikvZ ds iLrqhdj.k ds nkjku l pkuky; ] HkSedh , e [kfude] foHkx Hkiky l sJh ih-ih- jk; ] , oajh , l- ds fuey] iHkj] [kfut vf/kdkjh ds l kfk mi fLFkr jgsA

<b>Mineral</b>	<b>Other Minor Minerals (Stone)</b>
<b>Earlier DSR Discussed</b>	SEAC 592 <sup>th</sup> Meeting dated 06.09.22
<b>Approved /or recommend for</b>	Recommended for DSR Updation ( <b>Other Minor Minerals</b> )



राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण म.प्र. की 752वीं बैठक दिनांक 15.10.2022  
का कार्यवाही विवरण

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 594वीं बैठक दिनांक 21/09/2022 में अशोकनगर (रेत खनिज) की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में निम्नानुसार सुझाव सहित अनुशंसा की गई है।

.....समिति की अनुशंसा है कि अशोकनगर जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित की जाये।

जिला कलेक्टर अशोकनगर की सदस्य सचिव, SEIAA से दूरभाष पर हुई चर्चानुसार जिला अशोकनगर की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अद्यतन की जा रही है। राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा विस्तृत चर्चा एवं विचार विमर्श उपरांत निर्णय लिया गया कि जिला अशोकनगर की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अद्यतन कर सीधे ही SEAC को प्रेषित की जाये। तदनुसार संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म एवं जिला कलेक्टर अशोकनगर को सूचित किया जाये।

20. जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट – विदिशा ( रेत खनिज)

राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण द्वारा 752वीं बैठक दिनांक 15.10.2022 में निम्नानुसार निर्णय लिया गया :-

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 595वीं बैठक दिनांक 22/09/2022 में विदिशा (रेत खनिज) की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में निम्नानुसार सुझाव सहित अनुशंसा की गई है।

.....समिति की अनुशंसा है कि विदिशा जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित की जाये।


राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा विस्तृत चर्चा एवं विचार विमर्श उपरांत SEAC की 595वीं बैठक दिनांक 22/09/2022 की अनुशंसा को मान्य करते हुए विदिशा ( रेत खनिज) की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट का अनुमोदन SEAC द्वारा सुझाई गई उपरोक्त अनुशंसाओं के साथ किया जाता है।

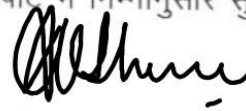
तदनुसार जिला कलेक्टर, विदिशा को जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिला पोर्टल पर अपलोड करवाये जाने एवं संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म को सूचित किया जाये।


21. जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, मुरैना (अन्य गौण खनिज- रेत को छोड़कर (मुरुम, फर्शी पत्थर, मिट्टी (चिमनी भट्टा), गिट्टी लेटेराइट, एवं शैल)

राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण द्वारा 752वीं बैठक दिनांक 15.10.2022 में निम्नानुसार निर्णय लिया गया :-

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 595वीं बैठक दिनांक 22/09/2022 में मुरैना (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर (मुरुम, फर्शी पत्थर, मिट्टी (चिमनी भट्टा), गिट्टी लेटेराइट, एवं शैल) की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में निम्नानुसार सुझाव सहित अनुशंसा की गई है।

  
(श्रीमन् शुक्ला)  
सदस्य सचिव

  
(अनिल कुमार शर्मा)  
सदस्य

  
(अरुण कुमार भट्ट)  
अध्यक्ष



राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, म.प्र.  
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन  
पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कॉलोनी  
भोपाल-462016 (म.प्र.)

वेबसाइट- <http://www.mpseiaa.nic.in>

दूरभाष नं. - 0755-2466970, 2466859

फैक्स नं. - 0755-2462136

No: 196 / SEIAA/2022

Date: 28/10/22

प्रति,

कलेक्टर  
जिला - विदिशा (म.प्र.)

विषय: नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट - विदिशा (रेत खनिज)  
संदर्भ: आपका पत्र क्र. 2289, दिनांक 12/09/22

राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण द्वारा 752वी बैठक दिनांक 15.10.2022 में निम्नानुसार निर्णय लिया गया :-

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 595वीं बैठक दिनांक 22/09/2022 में विदिशा (रेत खनिज) की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में निम्नानुसार सुझाव सहित अनुशंसा की गई है।

".....समिति की अनुशंसा है कि विदिशा जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित की जाये।

राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा विस्तृत चर्चा एवं विचार विमर्श उपरांत SEAC की 595वीं बैठक दिनांक 22/09/2022 की अनुशंसा को मान्य करते हुए विदिशा (रेत खनिज) की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट का अनुमोदन SEAC द्वारा सुझाई गई उपरोक्त अनुशंसाओं के साथ किया जाता है। तदनुसार जिला कलेक्टर, विदिशा को जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिला पोर्टल पर अपलोड करवाये जाने एवं संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म को सूचित किया जाये।

उपरोक्त निर्णयानुसार कृपया अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिला पोर्टल पर अपलोड करने का कष्ट करें। सुलभ संदर्भ हेतु अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की साफ्टकॉपी ई-मेल के माध्यम से आपकी ओर प्रेषित है।

(श्रीमन् शुक्ला)  
सदस्य सचिव

क्र.. /SEIAA/2022 भोपाल दिनांक  
प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, पर्यावरण विभाग, मंत्रालय, भोपाल की ओर कृपया सूचनार्थ।
2. संचालक, प्रशासन/तकनीकी, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, 29-ए, खनिज भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
3. सदस्य सचिव, राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC), अनुसंधान एवं विकास विंग, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (म.प्र.) - 462016 की ओर सूचनार्थ।

सदस्य सचिव